ज्ञानामृत

आलसी सुखी नहीं हो सकता, निद्रालु ज्ञानी नहीं हो सकता, ममत्व रखनेवाला वैराग्यवान नहीं हो सकता और हिंसक दयालु नहीं हो सकता।

भगवान महावीर

राष्ट्र को समर्पित

विजय मत

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, सोमवार, 02 मार्च 2026 | वर्ष- 11 | अंक- 83 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

अमेरिका की ईरान पर बड़ी कार्रवाई, बमवर्षक बी-2 बॉम्बर से की एयरस्ट्राइक

सुप्रीम लीडर खामेनेई की मौत

बेटी-दामाद, बहू-पोती सहित 40 कमांडर भी मारे गए

तेल अवीव/तेहरान, एजेंसी

इजराइल और अमेरिका ने पिछले 24 घंटे में ईरान पर 1,200 से ज्यादा बम गिराए हैं। रविवार को अमेरिका ने ईरान पर बड़ी कार्रवाई करते हुए बमवर्षक बी-2 बॉम्बर से की एयरस्ट्राइक की। इजराइली वायुसेना के हमलों में सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई है। खामेनेई के ऑफिस कॉम्प्लेक्स पर शनिवार को 30 मिसाइलों से हमला हुआ था। हमले में उनकी बेटी-दामाद, बहू और पोती समेत कॉम्प्लेक्स में मौजूद 40 कमांडर्स भी मारे गए हैं। हमले के समय खामनेई कमांडर्स के साथ मीटिंग कर रहे थे।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने शनिवार देर रात खामनेई के मारे जाने की बात कही थी। इसके कुछ देर बाद अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी उनके मारे जाने का दावा किया था। रविवार सुबह ईरान की सरकारी मीडिया एजेंसी 'तसनीम' और 'फार्स' ने इसकी पुष्टि की। इधर ईरानी सेना ने कहा कि वह सबसे खतरनाक अभियान की शुरुआत करने जा रही है। ईरान ने इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के कई देशों में हमले शुरू कर दिए हैं।

खामेनेई के बाद अलीरेजा अराफी को मिली अंतरिम कमान

अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान में अंतरिम नेतृत्व की व्यवस्था लागू कर दी गई है। अयातुल्ला अलीरेजा अराफी को अंतरिम नेतृत्व परिषद में न्यायविद सदस्य नियुक्त किया गया है। परिषद के प्रवक्ता मोहसेन देहनावी ने बताया कि स्थायी उत्तराधिकारी चुने जाने तक यह निकाय सर्वोच्च नेता की जिम्मेदारियां संभालेगा। ईरान के संविधान के अनुच्छेद 111 के तहत राष्ट्रपति, न्यायपालिका प्रमुख और गार्जियन काउंसिल का एक सदस्य मिलकर यह दायित्व निभाते हैं, जब तक विशेषज्ञों की सभा नया सर्वोच्च नेता नियुक्त न कर दे।

ईरान बोला- खतरनाक बदला लेंगे

ईरान का पलटवार- इजराइल समेत 9 देशों पर हमला

अमेरिका और इजराइल के हमले के जवाब में ईरान ने भी ड्रोन और मिसाइल हमले किए। इन हमलों में इजराइल समेत मिडिल-ईस्ट के 9 देशों को निशाना बनाया गया। ईरान ने इजराइल पर करीब 400 मिसाइलें दागीं और कतर, कुवैत, जॉर्डन, बहरीन, सऊदी अरब व यूएई में मौजूद अमेरिकी ठिकानों को भी निशाना बनाया। इतना ही नहीं, ईरान ने यूएई के सबसे ज्यादा आबादी वाले शहर दुबई पर भी हमला किया।

ईरान के पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद की हवाई हमले में मौत का दावा

ईरान के पूर्व राष्ट्रपति महमूद अहमदीनेजाद की मौत का दावा किया गया है। यह दावा ईरान की लेबर न्यूज एजेंसी ने अपनी एक रिपोर्ट में किया है। माना जा रहा है कि उनकी मृत्यु कथित तौर पर रविवार को हुए एक हवाई हमले के कारण हुई है।

48 ईरानी नेता मारे गए, 9 नौसैनिक जहाज नष्टः ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रविवार को कहा कि इन हमलों में 48 ईरानी 'नेता' मारे गए हैं। उन्होंने कहा है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के 9 नौसैनिक जहाजों को नष्ट कर समुद्र में डुबो दिया है। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि इनमें कुछ बड़े और अहम जहाज भी शामिल हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा कि बाकी जहाजों को भी निशाना बनाया जा रहा है। ईरान की ओर से भी इस पर कोई तत्काल बयान सामने नहीं आया है।

यूएई में कम से कम तीन की मौत, 58 घायल

शनिवार को ईरानी मिसाइल हमले शुरू होने के बाद से यूनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) में कम से कम तीन लोग मारे गए हैं और 58 अन्य घायल हो गए हैं। अमेरिका और इस्राइली सेना के हमलों के जवाब में ईरान ने जवाबी कार्रवाई की। यूएई के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक 165 बैलिस्टिक मिसाइलों का पता लगा। इनमें से 152 को नष्ट कर दिया गया। दो क्रूज मिसाइलों को भी इंटरसेप्ट किया गया। कुल 541 ईरानी ड्रोन में 506 को इंटरसेप्ट करके नष्ट किया गया। ईरान के तरफ से किए गए हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई।

पोप लियो ने हिंसा रोकने की अपील की

अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमलों के बाद पोप लियो ने चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि हालात खतरनाक दिशा में जा रहे हैं और हिंसा को तुरंत रोका जाना चाहिए। उन्होंने सभी पक्षों से कहा कि वे जिम्मेदारी लें और इस बढ़ती हिंसा को रोकें, वरना हालात और बिगड़ सकते हैं। पोप ने कहा कि शांति हथियारों और धमकियों से नहीं, बल्कि समझदारी और बातचीत से आती है।

भारत में इजराइल के राजदूत बोले- हमला अभी भी जारी

भारत में इजराइल के राजदूत रियूवेन अज़ार ने जारी संघर्ष पर कहा कि हालात अभी भी जारी हैं और ईरान अलग-अलग लक्ष्यों पर हमला करने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा- हम अभी भी इस प्रक्रिया में हैं। जैसा आपने देखा होगा, ईरानी शासन अभी भी क्षेत्र के अलग-अलग ठिकानों, जिनमें इजरायल भी शामिल है, पर हमला करने में सक्षम है।

ईरान ने कुवैत पर 97 मिसाइलें और 283 ड्रोन दागे... कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने बताया है कि ईरान ने उस पर 97 बैलिस्टिक मिसाइलें और 283 ड्रोन दागे है। कुवैती एयरफोर्स ने कई मिसाइलों और ड्रोन को इंटरसेप्ट किया। लेकिन कुछ इलाकों में मलबा गिरने से नुकसान और घायल होने की खबरें हैं।

ईरान ने शुरू किया ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4

अमेरिका के सबसे घातक विमानवाहक पोत अब्राहम लिंकन पर ईरान ने दागी मिसाइलें

अमेरिका और इस्राइल के साथ बढ़ते सैन्य टकराव के बीच ईरान ने बड़ा दावा किया है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड यानी आईआरजीसी ने कहा है कि उसने अमेरिकी नौसेना के विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन को निशाना बनाते हुए चार बैलिस्टिक मिसाइल दागी हैं। यदि यह दावा सही साबित होता है तो दशकों बाद किसी अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर पर सीधा हमला माना जाएगा। जबकि अमेरिका से इस खबर को खारिज कर दिया है। आईआरजीसी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा कि ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस-4 के तहत अमेरिका और इस्राइल के सैन्य ठिकानों पर हमले जारी हैं। इसी अभियान के दौरान अमेरिकी विमानवाहक पोत अब्राहम लिंकन पर चार बैलिस्टिक मिसाइलें दागी गईं। यह बयान ईरानी समाचार एजेंसी के जरिए जारी किया गया। हालांकि अमेरिका की ओर से अभी तक इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। आईआरजीसी ने कहा कि ईरानी सशस्त्र बलों की कार्रवाई अब नए चरण में प्रवेश कर चुकी है। संगठन के अनुसार अब जमीन के साथ-साथ समुद्री मोर्चे पर भी हमले तेज किए जाएंगे। बयान में कहा गया कि अमेरिकी और इस्राइली लक्ष्यों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और क्षेत्र में सैन्य दबाव बढ़ाया जाएगा।

खामेनेई की मौत पर भड़का रूस

मानवीय नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी नियमों का खुला उल्लंघनः पुतिन

अमेरिका और इस्राइल के हमलों में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की मौत पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दुख जताया। उन्होंने इसे हत्या करार दिया। पुतिन ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन को भेजे संदेश में कहा, इस्लामी गणराज्य ईरान के सर्वोच्च नेता की हत्या पर मेरी गहरी संवेदना स्वीकार करें। यह मानवीय नैतिकता और अंतरराष्ट्रीय कानून के सभी नियमों का खुला उल्लंघन है। इस संदेश को क्रेमलिन ने जारी किया है। पुतिन ने आगे कहा कि रूस में खामेनेई को एक बड़े नेता के रूप में याद किया जाएगा। उन्होंने कहा कि रूस और ईरान के संबंधों को मजबूत करने में खामेनेई का अहम योगदान रहा। संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि वेसिली नेबेंज्या ने इन हमलों को कूटनीति के साथ विश्वासघात बताया।

ईरान के समर्थन में चीन

कहा- संप्रभु देश में नेता की खुलेआम हत्या मंजूर नहीं

खामेनेई के मारे जाने के बाद चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने ईरान का समर्थन किया। उन्होंने रविवार को कहा, ईरान पर अमेरिका और इस्राइली हमले मंजूर नहीं हैं। उन्होंने तुरंत सीजफ़ायर और बड़े क्षेत्रीय संघर्ष को रोकने के लिए बातचीत फिर से शुरू करने का आह्वान करते हुए कहा कि एक संप्रभु देश में नेता की खुलेआम हत्या सरासर गलत है। चीन की सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के हवाले से आई सूचना के मुताबिक, वांग ने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से भी फोन पर बात की। चर्चा के दौरान वांग ने लावरोव से कहा, 'एक संप्रभु नेता की खुलेआम हत्या' और शासन बदलने के लिए देश के लोगों को उकसाना 'मंजूर नहीं है।' वांग के इस बयान को चीन का ईरान को समर्थन माना जा रहा है।

पाकिस्तान में बवाल

इस्लामाबाद में विरोध प्रदर्शन, 12 की मौत

पाकिस्तान के कराची शहर में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास के बाहर रविवार को ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई की मौत के विरोध में हुए भीषण प्रदर्शन में कम से कम 12 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। यह हिंसा मुख्य रूप से शिया समुदाय के प्रदर्शनकारियों द्वारा की गई, जो बड़ी संख्या में एमटी खान रोड पर जमा होकर अमेरिकी वाणिज्य दूतावास की ओर मार्च कर रहे थे। स्थानीय मीडिया और सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दूतावास के बाहर अराजकता के दृश्य दिखे। दरवाजे-खिड़कियां तोड़ी गईं, आग लगाई गई, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और प्रदर्शनकारियों ने लाठियों से गार्ड क्षेत्र पर हमला किया। कई इलाकों में ऐसे विरोध प्रदर्शन हुए हैं। गिलगिट क्षेत्र के स्कार्दू में भी संयुक्त राष्ट्र ऑब्जर्वर ऑफिस के बाहर विरोध प्रदर्शन हुए।

भारत में खामेनेई की मौत पर प्रदर्शनः कश्मीर में कई जगह विरोध, भोपाल में प्रदर्शन; सड़कों पर शिया समुदाय के लोग

अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबर के बाद भारत के शिया समुदाय में शोक और आक्रोश की लहर देखी जा रही है। भोपाल के करोंद स्थित शिया मस्जिद में जोहर की नमाज के बाद श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। फतेहगढ़ इमामबाड़े के पास सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई। मौलाना जहीर अब्बास और इमाम बाकर हुसैन ने खामेनेई को जुल्म के खिलाफ आवाज उठाने वाली शख्सियत बताते हुए श्रद्धांजलि दी। कश्मीर और लखनऊ सहित कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका और इजराइल के खिलाफ नारे लगाए और ईरान के समर्थन में मार्च निकाले। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाई अलर्ट जारी कर सुरक्षा बढ़ाने के निर्देश दिए। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने शांति बनाए रखने की अपील की। दिल्ली के ओखला विहार में भी विरोध प्रदर्शन हुआ, जहां डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ नारे लगाए गए। अजमेर और कर्नाटक के चिक्कबल्लापुर में तीन दिन का शोक घोषित किया गया। इस बीच दुबई में फंसे भारतीय श्रद्धालुओं की वापसी को लेकर चिंता जताई गई है। कुल मिलाकर देश के कई हिस्सों में शिया समुदाय ने खामेनेई के प्रति समर्थन और हमलों की निंदा व्यक्त की है।

बाजारों में उथल-पुथल की आशंका, बढ़ सकते है सोना-चांदी और तेल के दाम

अमेरिका और इजराइल के हमले में अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत की खबरों के बीच वैश्विक बाजारों में अस्थिरता की आशंका बढ़ गई है। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है और रणनीतिक 'होर्मुज स्ट्रेट' बंद होता है, तो कच्चे तेल की आपूर्ति बाधित हो सकती है, जिसका सीधा असर भारत की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। भारत अपनी जरूरत का लगभग 90 प्रतिशत कच्चा तेल आयात करता है, जिसमें करीब आधा होर्मुज मार्ग से आता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि सप्लाई घटने पर ब्रेंट क्रूड 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 100-120 डॉलर तक पहुंच सकता है। ऐसे में दिल्ली में पेट्रोल 95 रुपये से बढ़कर 105 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88 से 96 रुपये तक जा सकता है। हालांकि अंतिम कीमतें तेल कंपनियों के साथ-साथ केंद्र व राज्य सरकारों की कर नीति पर निर्भर करेंगी। कीमतों में उछाल की स्थिति में सरकार टैक्स में कटौती कर बोझ कम करने का विकल्प चुन सकती है। कमोडिटी विशेषज्ञों का मानना है कि अनिश्चितता बढ़ने पर सोना 1.60 लाख से 1.90 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है, जबकि चांदी 3.50 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकती है। शेयर बाजार में भी दबाव दिख सकता है। विश्लेषकों के अनुसार सेंसेक्स में करीब 1300 अंक और निफ्टी में 300 अंक तक की गिरावट संभव है, क्योंकि संकट के समय निवेशक सुरक्षित विकल्पों की ओर रुख करते हैं।

युद्ध के बीच ओपेक देशों ने बढ़ाया तेल उत्पादन

ईरान में बमबारी और जवाबी कार्रवाई के दौरान अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमलों से पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात बेहद तनावपूर्ण हो चुके हैं। इसी बीच तेल का उत्पादन करने वाले देशों के समूह- ओपेक ने उत्पादन बढ़ाने का ऐलान किया है। ओपेक देशों के समूह में -8 (वॉलंटरी आठ) ग्रुप ने कहा है कि बदले हुए हालात में प्रतिदिन 2,06,000 बैरल प्रति दिन के उत्पादन समायोजन ('प्रोडक्शन एडजस्टमेंट') पर सहमति बनी है। इन देशों के समूह में सऊदी अरब और रूस जैसे तेल उत्पादक देश भी शामिल हैं। बयान के मुताबिक 'यह एडजस्टमेंट अप्रैल में लागू किया जाएगा।'

भारत वर्ल्डकप के सेमीफाइनल में

वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया, अब 5 मार्च को इंग्लैंड से मुकाबला

कोलकाता, एजेंसी। भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। अब टीम 5 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड से भिड़ेगी। आखिरी सुपर-8 मैच में भारत ने वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हराया। संजू सैमसन ने सबसे ज्यादा नाबाद 97 रन बनाए। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए मुकाबले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 4 विकेट पर 195 रन बनाए। रोस्टन चेज (40) और जेसन होल्डर (नाबाद 37) ने अहम योगदान दिया, जबकि जसप्रीत बुमराह ने 2 विकेट झटके।

मुख्यमंत्री ने कूनो नदी में छोड़े 53 घड़ियाल और 25 कछुए

विलुप्त जीवों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध सरकारः मोहन यादव

विजय मत, ब्यूरो श्योपुर

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कूनो नेशनल पार्क स्थित कूनो नदी में 53 घड़ियाल और 25 कछुओं को रिलीज करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश सरकार विलुप्त होते जीवों के संरक्षण और संवर्धन के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में घड़ियाल और कछुओं की प्रजातियों को बचाने के लिए सुनियोजित प्रयास किए जा रहे हैं और इसका सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश पर्यटन और जैव विविधता संरक्षण के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर शुरू हुआ चीता प्रोजेक्ट लगातार सफलता की ओर अग्रसर है और प्रदेश में चीतों की संख्या बढ़कर 48 हो गई है। इससे वन्य पर्यटन को नई पहचान मिली है और प्रदेश में सैलानियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

वैज्ञानिक प्रबंधन के तहत किया गया पुनर्वास

कूनो नदी में छोड़े गए 53 घड़ियाल 'गेवेलियस गेंगेटिक्स' प्रजाति के हैं, जिनमें 28 नर और 25 मादा शामिल हैं। इसके साथ ही 25 कछुए 'थ्री स्ट्रिप्ड रूफ टर्टल' प्रजाति के हैं, जिनका वैज्ञानिक नाम 'वाटागुरु डोगोका' है। वन विभाग के विशेषज्ञों की देखरेख में इन प्रजातियों का संरक्षण और पुनर्वास किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि घड़ियाल और कछुए नदियों की पारिस्थितिकी के महत्वपूर्ण अंग हैं। इनके संरक्षण से जल पारिस्थितिकी संतुलित रहती है और जैव विविधता मजबूत होती है। सरकार ने संरक्षित क्षेत्रों में निगरानी, सुरक्षा और वैज्ञानिक अध्ययन की व्यवस्था को और सुदृढ़ किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार वन्यजीव संरक्षण को विकास की मुख्यधारा से जोड़ते हुए जैव विविधता की रक्षा के लिए दीर्घकालिक रणनीति पर काम कर रही है। कूनो नदी में घड़ियाल और कछुओं की वापसी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पर्यटन को मिल रही नई गति

मुख्यमंत्री ने कहा कि कूनो नेशनल पार्क अब अंतरराष्ट्रीय पहचान बना चुका है। चीता प्रोजेक्ट की सफलता और वन्यजीव संरक्षण की पहल से प्रदेश में पर्यटन को नई गति मिली है। इस वर्ष मध्यप्रदेश आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई है, जो राज्य की प्राकृतिक धरोहर और वन संपदा की ओर बढ़ते आकर्षण को दर्शाता है। कार्यक्रम में वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, पूर्व वन मंत्री रामनिवास रावत, सहरिया विकास प्राधिकरण अध्यक्ष तुरसनपाल बरिया, उपाध्यक्ष सीताराम आदिवासी, जिला पंचायत अध्यक्ष गुड्डीबाई आदिवासी, विधायक बृजराज सिंह चौहान, प्रमुख सचिव वन संदीप यादव, डीआईजी सचिन अतुलकर, कलेक्टर अर्पित वर्मा सहित अनेक जनप्रतिनिधि और अधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य देवरी, मुरैना की ओर से मुख्यमंत्री को स्मृति-चिन्ह भी भेंट किया गया।

महाराष्ट्र के नागपुर में बारूद कंपनी में ब्लास्ट, 17 की मौत, 18 लोगों की हालत गंभीर

नागपुर (महाराष्ट्र), एजेंसी

महाराष्ट्र में नागपुर जिले के राउलगांव स्थित गोला-बारूद निर्माण कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में रविवार सुबह करीब 7 बजे धमाका हो गया। हादसे में 17 कर्मचारियों की मौत हो गई, जबकि 18 घायल हो गए। घायलों में से कई की हालत गंभीर है। हादसे की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और रेस्क्यू टीमें मौके पर पहुंची। फैक्ट्री में लगी आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है। फायर ब्रिगेड ने बताया कि ब्लास्ट से कंपनी में चारों तरफ मलबा फैल गया है। मलबे में दबे कुछ कर्मचारियों को निकाला गया है। 15 घायलों को नागपुर के अस्पताल ले जाया गया है। वहीं पीएम मोदी ने घटना पर शोक जताया, साथ ही मृतकों के परिजन को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार की सहायता राशि देने की घोषणा की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने ट्वीट कर कहा- एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। 17 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। मैं मृतकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस घटना में 18 लोग घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत नागपुर ले जाया गया है। आपातकालीन आदेश जारी कर दिए गए हैं।

प्रधान संपादक- विजय शुक्ला। कार्यालयः भोपाल ■ शहडोल ■ रायपुर ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ मैहर ■ खरगोन ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़

न्यूज इन शॉर्ट

सेट परीक्षा में हंगामाः भोपाल केंद्र पर 'पहले से हल' प्रश्नपत्र, 150 अभ्यर्थियों ने किया विरोध

विजय मत, भोपाल। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की राज्य पात्रता परीक्षा (सेट) 2025 के दौरान राजधानी के कमला नेहरू हायर सेकेंडरी स्कूल केंद्र पर गंभीर अनियमितता का मामला सामने आया है। करीब 150 अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि उन्हें पहले से हल किए गए प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिकाएं दी गईं। घटना के बाद केंद्र पर हंगामा हुआ और पुलिस बल तैनात करना पड़ा। अभ्यर्थियों का दावा है कि कई प्रश्नपत्रों में 50 में से लगभग 40 प्रश्नों पर पहले से टिक मार्क लगे थे। कुछ उत्तर पुस्तिकाओं में रफ वर्क और प्रयास किए गए उत्तर भी दिखाई दिए। इतना ही नहीं, कई कॉपियों पर अन्य विद्यार्थियों के नाम और रोल नंबर पहले से दर्ज थे। विरोध करने पर अभ्यर्थियों को कथित तौर पर चुप रहने की चेतावनी दी गई। पटना से आई एक अभ्यर्थी ने बताया कि परीक्षा दोपहर 12 बजे निर्धारित थी और उम्मीदवारों को 45 मिनट पहले बुलाया गया था। उन्हें जो प्रश्नपत्र मिला, उस पर अलग नाम और रोल नंबर अंकित था। कई महिला अभ्यर्थियों के साथ भी यही स्थिति बताई गई।अभ्यर्थियों ने इसे केवल लापरवाही नहीं, बल्कि गंभीर गड़बड़ी करार दिया है और निष्पक्ष जांच की मांग की है। फिलहाल संबंधित अधिकारियों ने मामले की जानकारी उच्च स्तर पर भेजने की बात कही है, जबकि पुलिस ने स्थिति नियंत्रित होने का दावा किया है।

राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान 2 मार्च को मंत्रालय स्थित पटेल पार्क में होगा

विजय मत, भोपाल। मंत्रालय स्थित वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र -गीत वन्देमातरम एवं राष्ट्र -गान जन-गण-मन का गायन सोमवार 2 मार्च को प्रातः 10:15 बजे किया जाएगा। रविवार 1 मार्च को शासकीय अवकाश होने के कारण राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान का आयोजन 2 मार्च को किया जायेगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने सभी अधिकारी/कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने के लिए निर्देश दिये हैं। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर राष्ट्र गीत एवं राष्ट्र गान का आयोजन किया जाता है।

होली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में 4 मार्च को भी सार्वजनिक अवकाश

विजय मत, भोपाल। राज्य शासन द्वारा होली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में 4 मार्च को भी निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट्स एक्ट-1881 के अधीन सार्वजनिक एवं सामान्य अवकाश घोषित किया गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य शासन द्वारा होली के पावन पर्व पर पूर्व में 3 मार्च को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जा चुका है।

संभावना गतिविधि में नृत्य एवं गायन प्रस्तुति हुई

विजय मत, भोपाल। मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय में नृत्य,गायन एवं वादन पर केंद्रित गतिविधि संभावना का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें 01 मार्च, 2026 को शिवचरण कुशराम एवं साथी, डिण्डोरी द्वारा गोण्ड जनजातीय करमा नृत्य, रहीस सिंह यादव एवं साथी, अशोकनगर द्वारा राई नृत्य, अरविंद पटेल एवं साथी, सीधी द्वारा फगुआ गायन, जयंत विश्वकर्मा एवं साथी, सागर द्वारा फाग गायन, मणिराज कोल एवं साथी, सीधी द्वारा फाग गायन की प्रस्तुति दी गई। कार्यर्‍ म में अरविंद पटेल एवं साथी, सीधी द्वारा फगुआ गायन की प्रस्तुति दी गई। उन्होंने बुंदेली- अरे हा हो देवी तोहरे सरन,,,,लेजन-बसिया बाजै हो नचाइ नंद का लाला,,,, बैसवारा- हरिये कोयलिया बोलै,,,,,,,डग्गा- गगरिया मोरी न फोरो लाल नहि देवई हजारों गार,,,,चौताल कहे बिप्र सुदामा की नारी,,,फगुआ- सूरदास जी एवं राई .. होली की उमंग गायन किया। वहीं जयंत विश्वकर्मा एवं साथी, सागर द्वारा फाग गायन किया गया। उन्होंने सुमरली,,,,प्रेम रंग बरसे अँगनवा,,,सुनी लगे जा होरी,,,,मोपे रंगा ने डरो एवं सदाशिव खेले मसाने में होरी गीतों की प्रस्तुति दी। गोण्ड जनजातीय करमा नृत्य करमा कर्म की प्रेरणा देने वाला नृत्य है।ग्रामवासियों में श्रम का महत्व है श्रम को ही ये कर्म देवता के रूप में मानते हैं। पूर्वी मध्यप्रदेश में कर्म पूजा का उत्सव मनाया जाता है। उसमें करमा नृत्य किया जाता है परन्तु विन्ध्य और सतपुड़ा क्षेत्र में बसने वाले जनजातीय कर्म पूजा का आयोजन नहीं करते। नृत्य में युवक-युवतियाँ दोनों भाग लेते हैं, दोनों के बीच गीत रचना की होड़ लग जाती है। वर्षा को छोड़कर प्रायः सभी ॠतुओं में गोंड जनजातीय करमा नृत्य करते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीसी से की प्रदेश में कानून-व्यवस्था की समीक्षा

प्रदेश में शांति, सुरक्षा और सौहार्द्र सर्वोपरि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विजय मत, भोपाल

डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में शांति, सुरक्षा और सौहार्द बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि आगामी त्योहारों के दौरान कानून-व्यवस्था में किसी भी प्रकार की ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी तथा मैदानी स्तर पर पुलिस अधिकारी अतिरिक्त सतर्कता और मुस्तैदी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। मुख्यमंत्री ने रविवार को पुलिस कमिश्नर कार्यालय, भोपाल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश की कानून-व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय नीरज मंडलोई, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना, एडीजी इंटेलीजेंस ए. साई मनोहर सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। सभी रेंज आईजी, डीआईजी, पुलिस कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक वर्चुअली बैठक से जुड़े।

प्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने पर बधाई

मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग को प्रदेश को नक्सल मुक्त बनाने के लिए बधाई दी और कहा कि यह उपलब्धि पुलिस बल की समर्पित कार्यशैली का परिणाम है। उन्होंने कहा कि शुष्क दिवस के प्रावधानों का कड़ाई से पालन कराया जाए तथा शांति समितियों के माध्यम से समाज के प्रभावशाली व्यक्तियों को जोड़कर संवाद कायम रखा जाए। बैठक में सभी मैदानी अधिकारियों ने त्यौहारों के मद्देनजर की गई तैयारियों की जानकारी दी और आश्वस्त किया कि प्रदेश में शांति एवं सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

गैर विवादित स्थल पर ही हो होलिका दहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि होलिका दहन केवल गैर-विवादित स्थलों पर ही सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि त्यौहार सामाजिक सद्भाव का प्रतीक हैं और इन्हें आपसी प्रेम एवं भाईचारे के साथ मनाया जाना चाहिए। पुलिस प्रशासन को चाहिए कि संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाए और सूचना-तंत्र को अधिक सर्‍ य बनाया जाए।

बढ़ेगी पेट्रोलिंग, कंट्रोल रूम होंगे सशक्त

मुख्यमंत्री ने सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में पेट्रोलिंग बढ़ाएं तथा कंट्रोल रूम और मॉनिटरिंग सिस्टम को और अधिक प्रभावी बनाएं। छोटी से छोटी घटना को भी गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनता में सुरक्षा का विश्वास कायम रखना प्रशासन की सामूहिक जिम्मेदारी है।

पुलिस थानों का होगा औचक निरीक्षण

डॉ. यादव ने कहा कि वे आगामी दिनों में प्रदेश के विभिन्न पुलिस थानों और कार्यालयों का औचक निरीक्षण करेंगे। पुलिस थानों की कार्यप्रणाली और पब्लिक फीडबैक के आधार पर उनकी ग्रेडिंग की जाएगी। कानून-व्यवस्था से संबंधित हर कार्रवाई पारदर्शी होनी चाहिए।

परीक्षाओं और यातायात पर विशेष नजर

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में परीक्षाएं संचालित हो रही हैं, अतः परीक्षा केंद्रों एवं छात्रावासों के आसपास विशेष सतर्कता रखी जाए। त्यौहारों के दौरान बढ़ते यातायात को देखते हुए बस ऑपरेटर्स द्वारा अधिक किराया वसूलने की शिकायतों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए गए।

जनजाति अंचल में पहली बार बड़वानी में आयोजित होगी कृषि कैबिनेटः कंषाना

विजय मत, भोपाल

किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री एदल सिंह कंषाना ने कहा है कि कृषक कल्याण वर्ष-2026 में किसानों को बड़ी सौगातें मिल रही हैं। इसके तहत जनजातीय अंचल में पहली बार कृषि कैबिनेट की ऐतिहासिक बैठक 2 मार्च को बड़वानी में आयोजित होने जा रही है। बैठक में किसानों के हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये जायेंगे। कृषि मंत्री कंषाना ने कहा कि जनजातीय क्षेत्र में कृषि कैबिनेट का आयोजन राज्य सरकार की किसानों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। कंषाना ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना, आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देना, सिंचाई, बीज, खाद एवं विपणन व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाना है। कृषि मंत्री कंषाना ने कहा कि कृषक कल्याण वर्ष-2026 के तहत प्रदेश के किसानों को विभिन्न योजनाओं का लाभ मिल रहा है। बड़वानी में आयोजित होने वाली कृषि कैबिनेट बैठक में विशेष रूप से जनजातीय किसानों की समस्याओं, प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण और कृषि अधोसंरचना विकास पर भी चर्चा की जाएगी। कृषि मंत्री कंषाना ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए संकल्पित है। यह बैठक प्रदेश के कृषि विकास में मील का पत्थर साबित होगी। जनजातीय अंचल में इस प्रकार की उच्च स्तरीय बैठक आयोजित करना, क्षेत्र के किसानों के लिए गर्व का अवसर है।

आरडीएसएस के कार्यों का समय पर उपभोक्ताओं को मिले लाभ : ऊर्जा मंत्री तोमर

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इंदौर में की समीक्षा

विजय मत, भोपाल

बिजली उपभोक्ताओं की सुविधाओं के लिए विद्युत कंपनी की टीम गंभीरता से कार्य करे। आरडीएसएस के नए कार्यों का समय पर उपभोक्ताओं को लाभ मिले, ताकि उपभोक्ता संतुष्टि में बढ़ोत्तरी हो। उपभोक्ता सुविधाओं से संबंधित कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने ये बातें रविवार को पोलोग्राउंड इंदौर स्थित पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध निदेशक कार्यालय में विभागीय योजनाओं की समीक्षा के दौरान कही उन्होंने कहा कि आरडीएसएस के सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए नए कार्य हो रहे हैं। यह कार्य गुणवत्ता से हो, समय से पूर्ण किए जाए। ताकि परियोजना का उद्देश्य समय पर पूरा हो। तोमर ने कहा कि आरडीएसएस अंतर्गत जो ऐजेंसियों लापरवाही कर रही है, उन पर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही अच्छा कार्य करने वाले एजेंसी को नियमानुसार अतिरिक्त कार्य दिया जा सकता है। सिंह ने केपेसिटर बैंक की स्थापना के बाद उनका गुणवत्ता परीक्षण एवं उनसे हो रहे फायदे की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने एनएबीएल, एलटीएमटी लेब का सतत पर्यवेक्षण करने के निर्देश दिए। कंपनी के प्रबंध निदेश अनूप कुमार सिंह ने कहा कि आरडीएसएस अंतर्गत 97 में से 87 ग्रिड का कार्य पूर्ण कर बिजली आपूर्ति शुरू की गई हैं। वहीं सात हजार सात सौ ट्रांसफार्मर लगाए जा चुके है। एलटी केबल कार्य, अंडर ग्राउंड केबल, ग्रिड रिनोवेशन व अन्य कार्य सतत पूर्ण होते जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान, मुख्य अभियंता एसएस करवाड़िया, सुषमा वैश्य, आरसी जैन, एससी वर्मा एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

डिजिटल गवर्नेंस में मध्यप्रदेश पुलिस को राष्ट्रीय सम्मान

विजय मत, भोपाल

डिजिटल गवर्नेंस, तकनीक आधारित पुलिसिंग एवं नागरिक सेवा वितरण प्रणाली को सुदृढ़ बनाने के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करते हुए मध्यप्रदेश पुलिस को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित 'IT Implementation for Governance & Public Service Delivery' अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान The Indian E&press Group द्वारा आयोजित Technology Sabha Awards समारोह में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रभावी क्रियान्वयन, नवाचार आधारित प्रशासनिक सुधार तथा नागरिक-केंद्रित सेवाओं को बढ़ावा देने हेतु प्रदान किया गया। यह पुरस्कार मध्यप्रदेश पुलिस की ओर से अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, राज्य अपराध अभिलेख ब्यूरो (SCRB) जयदीप प्रसाद द्वारा पुलिस महानिदेशक, मध्यप्रदेश कैलाश मकवाणा के मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में प्राप्त किया गया। समारोह में यह सम्मान E&press Computer के एडिटर आर.पी. श्रीकांत द्वारा प्रदान किया गया।

वित्तीय वर्ष में मप्र में कम हुए जीएसटी कलेक्शन

केंद्र सरकार द्वारा किए गए जीएसटी स्लैब में बदलाव का असर

विजय मत, भोपाल

केंद्र सरकार द्वारा किए गए जीएसटी स्लैब में बदलाव का असर मप्र में देखने को मिला है। इस बदलाव के कारण वित्तीय वर्ष 2025-26 में मप्र में जीएसटी कलेक्शन कम हुआ है। इस कारण मप्र में जीएसटी कलेक्शन में इस वित्तीय वर्ष में 0.75 प्रतिशत तक कमी आई है। मप्र माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 68 के अंतर्गत चलित वाहनों की जांच से जुड़े 2350 प्रकरणों में 2827.94 रुपये लाख जमा कराए गए हैं। सरकार द्वारा हाल ही में खत्म हुए विधानसभा के बजट सत्र में दी गई जानकारी से ये खुलासा हुआ। गौरतलब है कि 22 सितम्बर 2025 से केंद्र ने जीएसटी में अहम बदलाव करते हुए चार की जगह दो स्लैब ही रख दी थी। बदलाव के मुताबिक 12 प्रतिशत और 28 प्रतिशत के स्लैब खत्म कर दिए गए थे। विलासिता और सिन गुड्स वाले उत्पादों पर 40 प्रतिशत की नई स्लैब बना दी गई थी। ऑटोमोबाइल, ऐसी, फ्रिज जैसी चीजों पर इसका असर पड़ा था। कर सलाहकार पलाश खुरपिया ने कहा कि उत्पादों के दाम उतने कम नहीं हुए जितना उपभोक्ताओं को उम्मीद थी। ऐसा लगता है कि कंपनियों ने जीएसटी में कमी का पूरा फायदा उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचाया, जिससे खपत उतनी नहीं बढ़ी।

सबसे ज्यादा फर्जी फर्म ऑपरेटरों की संख्या इंदौर में: मध्य प्रदेश में सबसे ज्यादा फर्जी फर्म ऑपरेटरों की संख्या इंदौर में सामने आई है। दूसरे नंबर पर जबलपुर है। इंदौर में फर्जी फर्म की संख्या 10 तो जबलपुर में चार है। भोपाल, गुना, ग्वालियर से लेकर भिंड और कटनी में भी फर्जी फर्म ऑपरेटर सामने आए

हैं। उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अब तक कुल 437 करदाताओं पर मध्य प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 की धारा 67 के अंतर्गत निरीक्षण सर्च एवं सीजर की कार्यवाही की गई।

400 करोड़ से ज्यादा की टैक्स चोरी पकड़ी गई

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कांग्रेस विधायक अजय सिंह द्वारा पूछे गए प्रश्न के लिखित उत्तर में जानकारी दी है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में पूरे प्रदेश में 437 व्यापरियों की 400.92 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी पकड़ी गई। इसमें से 234.49 करोड़ जमा हुए हैं। जवाब के मुताबिक जीएसटी अधिनियम की धारा 67 के तहत इंस्पेक्शन, सर्च और जब्ती की कार्रवाई की गई है। सरकार ने ये भी जानकारी दी कि आयरन, स्टील, सुपारी और गुटखा से जुड़े 127 ऐसे मामले हैं जिनमें 129.51 करोड़ रुपए की टैक्स चोरी सामने आई और 46.97 करोड़ रुपए विभाग के पास संबंधित व्यापारियों -फर्मों ने जमा कर दिए हैं। विभाग के मुताबिक स्टील, सुपारी -गुटखा के जिन मामलों में 50 लाख से अधिक की टैक्स चोरी पकड़ी गई, उनमें से सिर्फ एक में ही राशि सरेंडर हुई।

आस्था पर शुल्क के फैसले पर उठे विरोध के स्वर

महाकाल की संध्या और शयन आरती में प्रवेश के लिए 250 रुपए अनिवार्य

विजय मत, उज्जैन

महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में अब संध्या और शयन आरती में शामिल होने के लिए श्रद्धालुओं को 250 रुपए का पास लेना होगा। मंदिर समिति ने भस्म आरती की तर्ज पर नई व्यवस्था लागू करते हुए इसे भीड़ प्रबंधन और पारदर्शिता से जोड़ा है। अनुमान है कि इस निर्णय से समिति को प्रतिदिन करीब छह लाख रुपए की अतिरिक्त आय होगी, जो मासिक स्तर पर 1.80 करोड़ और वार्षिक रूप से लगभग 22 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है। हालांकि फैसले के बाद श्रद्धालुओं में असंतोष देखा जा रहा है। कई भक्तों ने इसे 'तुगलकी फरमान' करार दिया है। विरोध के स्वर मंदिर प्रशासन तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि धर्मस्व विभाग से जुड़े हलकों में भी असहमति की चर्चा है। आरोप है कि निर्णय से पहले जनप्रतिनिधियों, पुजारियों या भक्त मंडलों से

व्यापक परामर्श नहीं किया गया। अब आर्थिक रूप से कमजोर श्रद्धालु, जो पहले निःशुल्क संध्या या शयन आरती में शामिल हो जाते थे, उन्हें केवल चलित दर्शन तक सीमित रहना पड़ेगा। आरती पास की बुकिंग पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है।

आईएएस-आईपीएस की तरह आम जन को मिलें स्वास्थ्य सेवाएं

मप्र में 48 प्रतिशत लोग आयुष्मान योजना से वंचित,कांग्रेस की मांग..

विजय मत, भोपाल

आम जनता के लिए निःशुल्क और गुणवत्तावूर्ण इलाज को लेकर कांग्रेस ने अलग मांग रखी है। वरिष्ठ कांग्रेस विधायक व पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि जनता को आईएएस और आईपीएस अधिकारियों की तरह स्वास्थ्य सेवाएं मिलना चाहिए और उनका फ्री में इलाज होना चाहिए। कांग्रेस ने मांग रखी है कि प्रत्येक परिवार को प्रतिवर्ष 15 लाख तक निःशुल्क इलाज और गंभीर बीमारियों के मामले में 25 लाख तक का

कवरेज मिलना चाहिए है। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ। सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधा किसी वर्ग विशेष का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि हर नागरिक का मौलिक अधिकार होना चाहिए।

गंभीर बीमारियों के लिए बढ़ी हुई सीमा

विधेयक में किडनी ट्रांसप्लांट, लिवर ट्रांसप्लांट, कैंसर और अन्य जटिल सर्जरी के लिए कवरेज बढ़ाकर 25 लाख रु करने की मांग की गई है। डॉ. सिंह ने कहा कि जब 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को बिना आय बंधन आयुष्मान योजना में शामिल किया जा सकता है, तो अन्य नागरिकों को सार्वभौम इलाज का अधिकार क्यों नहीं दिया जा सकता।

होली पर भद्रा और चंद्रग्रहण का साया

आज प्रदोष काल में होगा होलिका दहन, 4 मार्च को मनेगा रंगोत्सव

विजय मत, भोपाल

भद्रा का साया और चंद्रग्रहण के बीच होलिका दहन दो मार्च को प्रदोष काल में किया जाएगा। फाल्गुन की पूर्णिमा सोमवार को शाम पांच बजकर 55 मिनट से शुरू हो रही है, और पूर्णिमा लगने के साथ ही भद्रा भी शुरू हो जाएगी। भद्रा इस बार पृथ्वी पर और सिंह राशि में है। दो मार्च को शाम छह बजकर 22 मिनट से लेकर आठ बजकर 53 मिनट का समय प्रदोष काल रहेगा और इसी समय के दौरान होलिका दहन किया जाना शुभ और शास्त्र सम्मत होगा। ग्रहण के कारण इस बार रंगोत्सव या होली चार मार्च को खेली जाएगी।

चंद्रग्रहण का समय और धार्मिक महत्वः दूसरे दिन तीन मार्च को चंद्रग्रहण है, जो भारत में दिखाई देगा, इसलिए इसका धार्मिक महत्व रहेगा। चंद्रग्रहण तीन मार्च मंगलवार को शाम छह बजकर 27 मिनट पर शुरू होगा और शाम छह बजकर 45 मिनट पर इसका समापन होगा। चंद्रोदय का समय छह बजकर 22 मिनट पर होगा और ग्रहण केवल 22 मिनट का होगा। शास्त्रों के अनुसार, चंद्रग्रहण का सूतक काल नौ घंटे पहले, यानी सुबह नौ बजकर 39 मिनट से शुरू हो जाएगा।

महत्वपूर्ण तिथियां और समय सारणी

फाल्गुन पूर्णिमाः दो मार्च शाम पांच बजकर 55 मिनट से प्रारंभ और तीन मार्च शाम पांच बजकर सात मिनट पर समापन।
भद्रा कालः दो मार्च शाम पांच बजकर 55 मिनट से प्रारंभ होकर तीन मार्च सुबह चार बजकर 28 मिनट तक।
प्रदोष काल (होलिका दहन): दो मार्च शाम छह बजकर 22 मिनट से आठ बजकर 53 मिनट तक।
चंद्रग्रहणः तीन मार्च शाम छह बजकर 27 मिनट से छह बजकर 45 मिनट तक।
सूतक कालः तीन मार्च सुबह नौ बजकर 39 मिनट से प्रारंभ।

विजय मत एंकर गुना में संभाग स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी के समापन कार्यर्‍ म में हुए शामिल

गुलाब स्टोरी आने वाले समय में प्रदेश और देश के लिए बनेगी प्रेरणादायक उदाहरण : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

विजय मत, भोपाल

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल मानस भवन गुना में आयोजित संभाग स्तरीय पुष्प प्रदर्शनी एवं कृषक कार्यशाला में शामिल हुए।उन्होंने संभाग के विभिन्न जिलों से आए कृषकों द्वारा लगाए गए स्टॉलों एवं पुष्प प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा उनसे संवाद कर खेती की उन्नत तकनीकों की जानकारी ली। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि गुलाब की यह कहानी आने वाले समय में प्रदेश और देश के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बनेगी। आधुनिक तकनीक और प्राकृतिक खेती के समन्वय से किसान आर्थिक रूप से सशक्त बन सकते हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि गुलाब की खेती से एक एकड़ में सालाना लगभग 14

लाख रुपये तक की आय संभव है, जो पारंपरिक फसलों की तुलना में अधिक है। यह मॉडल अन्य किसानों के लिए भी मार्गदर्शक सिद्ध हो सकता है। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के बढ़ते उपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए प्राकृतिक एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि ऑर्गेनिक उत्पाद न केवल स्वाद और गुणवत्ता में बेहतर होते हैं, बल्कि स्वास्थ्य की दृष्टि से भी सुरक्षित हैं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने 'किंग ऑफ रोज' का पुरस्कार अनिमेष श्रीवास्तव को उनकी 'रिवाइवल' किस्म के लिए प्रदान किया। गोपाल अग्रवाल को उनकी 'टॉप सीक्रेट' किस्म के लिए 'क्वीन ऑफ रोज' का पुरस्कार दिया गया। गुलाब की ये उन्नत एवं आकर्षक किस्में प्रदर्शनी का मुख्य आकर्षण रहीं। कार्यक्रम में नगरपालिका अध्यक्ष सविता अरविंद गुप्ता, कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल, पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी, उपसंचालक उद्यानिकी केपीएस किरार सहित स्थानीय जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में कृषक उपस्थित थे।

एचपीवी वैक्सीनेशन अभियान को जन आंदोलन बनाकर हर बेटी को सुरक्षा कवच से जोड़ें

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने स्वास्थ्य जागरूकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि महिलाओं में स्तन कैंसर के बाद सर्वाइकल कैंसर दूसरा प्रमुख कैंसर है। इससे बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान प्रारंभ किया गया है। प्रथम चरण में 14-15 वर्ष की बालिकाएं अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर पहचान पत्र के साथ एक दिन में लगने वाली यह वैक्सीन अवश्य लगवाएं। उन्होंने समाज से अपील की कि इस अभियान को जनआंदोलन बनाकर हर बेटी को सुरक्षा कवच से जोड़ें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-01, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
(*समाचार चयन के लिए पी.आरर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई. क्रमांक- MPHIN/2015/66998, e-mail vijaymat.sdl@gmail.com। मोबाइल- +91 88899 77997

न्यूज इन शॉर्ट

पुरानी रंजिश में नाबालिगो ने कटर से हमला कर किया हत्या का प्रयास

विजय मत, भोपाल। पुरानी विधानसभा के सामने कुम्हार मोहल्ला में देर रात पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में एक बार फिर विवाद हो गया। मामले में पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कुम्हार मोहल्ला निवासी सनी सिंह ठाकुर की दीपक बहादुर थापा से पुरानी रंजिश चल रही है। शुक्रवार रात करीब साढ़े दस बजे चंपा बाई चौराहे के पास सनी सिंह व दीपक बहादुर का आमना-सामना हो गया। एक दूसरे को देखते हुए दोनों के बीच गाली-गलौज शुरू हो गई और विवाद बढ़ गया। सनी सिंह ने दीपक बहादुर पर डंडे से हमला कर दिया। मारपीट की खबर मिलने पर दीपक थापा के दो नाबालिग बेटे वहां आ गए और पिता पर हमला होता देख उन्होनें सनी सिंह पर लोहे के धारदार कटर से हमला कर दिया। कटर के वार से सनी सिंह की गर्दन व सिर के अलावा शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई हैं। मामले में पुलिस ने सनी सिंह की चचेरी बहन नेहा सिंह की शिकायत पर दीपक बहादुर थापा व उसके दो नाबालिग बेटों के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज किया है। वहीं दीपक बहादुर की ओर से जया विश्वकर्मा (33) की रिपोर्ट पर सनी सिंह के खिलाफ अड़ीबाजी व मारपीट की धाराओं के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया है।

पैदल जा रही युवती का पर्स लूटकर भागे बदमाश

विजय मत, भोपाल। राजधानी के कमला नगर थाना इलाके के सूर्या नगर कॉलोनी में देर रात के समय पैदल घर जा रही एक युवती शिवानी भौसारे पुत्री दीपचंद को अपना निशाना बनाते हुए दोपहिया सवार बदमाशों ने उसका पर्स लूट लिया और चंपत हो गए। युवती ने बताया की वह निजी काम करती है, और शुक्रवार रात करीब 8 बजे काम के बाद पैदल घर लौट रही थी। इसी दौरान दो पहिया वाहन सवार उनके नजदीक आये ओर इससे पहले वह कुछ समझ पाती बदमाशो ने तेजी से झपटा मारकर उनका पर्स अपने कब्जे में कर तेज स्पीड से नौ दो ग्यारह हो गए। लूटे गये पर्स में युवती के मोबाइल सहित 15 हजार की नगदी रखी थी। पुलिस ने इस मामले में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी पहचान जुटाने के लिये घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

एसीएस अनिरुद्ध मुखर्जी जाएंगे दिल्ली

विजय मत, भोपाल। एमपी कैडर के अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी अनिरुद्ध मुखर्जी को केंद्र सरकार ने सचिव पद के समकक्ष पद के लिए इम्पैनल किया है। मुखर्जी 1993 बैच के आईएएस अधिकारी हैं। डीओपीटी ने 41 अफसरों के इम्पैनलमेंट के आदेश जारी किए हैं। जिसमें मुखर्जी का नाम एमपी कैडर के अफसरों में है। मुखर्जी अभी राजस्व मंडल अध्यक्ष और अपर मुख्य सचिव लोक परिसंपत्ति विभाग के पद पर पदस्थ हैं। एमपी कैडर की आईएएस अधिकारी दीप्ति गौड़ मुखर्जी पहले से ही दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं। अनिरुद्ध मुखर्जी के आदेश के बाद अब मुखर्जी दंपत्ति दिल्ली में ही पदस्थ हो जाएंगे। केंद्र के इम्पैनलमेंट के बाद अनिरुद्ध मुखर्जी जल्द ही राज्य सरकार की सेवाओं से रिलीव होंगे। अगले माह उन्हें सचिव पद के समकक्ष केंद्र सरकार के किसी मंत्रालय में पदस्थ किए जाने के आदेश जारी किए जाएंगे। वहीं एडिशनल सेक्रेटरी और समकक्ष पदों के लिए भी इम्पैनलमेंट के आदेश जारी हुए हैं, लेकिन इनमें एमपी के किसी अधिकारी का नाम शामिल नहीं है। इससे पहले 4 फरवरी को जारी आदेश में डीओपीटी ने 24 आईएएस अधिकारियों को संयुक्त सचिव पद के लिए इम्पैनल करने का निर्णय लिया था। इसमें एमपी कैडर के 2010 बैच के आईएएस अधिकारी गणेश शंकर मिश्रा और षणमुगा प्रिया मिश्रा के नाम शामिल हैं। इसके पूर्व मुंबई में पदस्थ एमपी कैडर के अधिकारी ज्ञानेश्वर पाटिल को अतिरिक्त प्रभार दिए जाने के आदेश डीओपीटी पहले ही जारी कर चुका है।

छठी मंजिल से सीधे नीचे जा गिरी लिफ्ट, युवक का पैर टूटा

विजय मत, भोपाल। राजधानी की रिहायशी कॉलोनी चिनार ड्रीम सिटी में शनिवार सुबह लिफ्ट के अचानक नीचे गिरने के हादसे में घायल युवक अनुज पथोल का बयान सामने आया है। उसने बताया कि वह छठे फ्लोर पर आई-605 में रहते हैं। अलसुबह करीब पौने दस बजे वह ऑफिस जाने के लिए फ्लैट से निकल रहा था। उस समय लिफ्ट पहले से छठे फ्लोर पर ही खड़ी थी। उन्होनें शटर खोली और अपने साथी प्रदीप के साथ अंदर दाखिल हुए, वह लिफ्ट का बटन दबा भी नहीं सके की इससे पहले ही लिफ्ट तेज रफ्तार से नीचे जाते हुए छठी मंजिल से सीधे नीचे जा गिरी, जिससे उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। अनुज के मुताबिक, उन्होंने लिफ्ट का शटर आधा खुला था, और उसी दौरान उन्होंने इमरजेंसी बटन दबाने की कोशिश की, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली।

मौसम विभाग का मौसमी आउटलुक जारी

मार्च में 40 डिग्री तक पहुंच सकता है पारा, अप्रैल-मई में लू के तेज थपेड़ों के आसार

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में इस वर्ष गर्मी सामान्य से अधिक तीखी रहने के संकेत हैं। मौसम विभाग के अनुसार मार्च से मई तक अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से ऊपर रहने की संभावना है। मार्च के पहले सप्ताह में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश के आसार हैं, लेकिन दूसरे सप्ताह से तापमान तेजी से बढ़ने लगेगा और महीने के अंत तक पारा 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। अप्रैल और मई में लू के अधिक तीव्र दौर पड़ने का अनुमान है। फरवरी समाप्त होते-होते ही प्रदेश में गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। हालिया आंकड़ों के मुताबिक कई शहरों में अधिकतम तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया है। दिन का तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री अधिक चल रहा है, जिससे दोपहर में तेज धूप और गर्म हवाओं का अहसास बढ़ गया है। पिछले 24 घंटों में प्रदेश के किसी भी हिस्से में वर्षा दर्ज नहीं की गई। सुबह के समय आर्द्रता अपेक्षाकृत अधिक रही, किंतु शाम तक नमी में कमी आई और दृश्यता सामान्य रही।

सीमित वर्षा, बढ़ेगी गर्मी की तीव्रता

मार्च के पहले सप्ताह में कहीं-कहीं हल्की वर्षा या बादल छाने की संभावना जताई गई है, किंतु इसके बाद मौसम साफ रहने के आसार हैं। कुछ क्षेत्रों में सामान्य या सामान्य से अधिक वर्षा हो सकती है, जबकि उत्तर-पश्चिम और पूर्वोत्तर हिस्सों में कम वर्षा के संकेत हैं। वर्षा की कमी से तापमान में और तेजी आने की संभावना है।

पश्चिमी अंचल में गर्मी का ज्यादा असर

पश्चिमी मध्य प्रदेश में तापमान अपेक्षाकृत अधिक रहा। खंडवा में अधिकतम तापमान 35 डिग्री दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सर्वाधिक रहा। नर्मदापुरम में 34.3 डिग्री, गुना में 33.4 डिग्री और राजधानी भोपाल में 32.4 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। पूर्वी अंचल के जबलपुर, दमोह, सागर, रीवा और सतना में भी तापमान 32 से 34 डिग्री के बीच बना रहा। रात के तापमान में फिलहाल कुछ राहत है। पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री दर्ज किया गया, जिससे पहाड़ी क्षेत्रों में सुबह-शाम हल्की ठंडक बनी हुई है। हालांकि मौसम विभाग का अनुमान है कि आने वाले हफ्तों में न्यूनतम तापमान भी धीरे-धीरे बढ़ेगा और रातें भी अपेक्षाकृत गर्म होंगी।

मार्च से मई तक 'हॉट वेदर सीजन'

मौसम विभाग द्वारा जारी मौसमी पूर्वानुमान के अनुसार मार्च से मई के बीच मध्य भारत के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक गर्म दिन पड़ सकते हैं। अधिकतम तापमान के साथ-साथ न्यूनतम तापमान में भी वृद्धि के संकेत हैं। इसका अर्थ है कि दिन ही नहीं, रातों में भी गर्मी का प्रभाव महसूस होगा। अप्रैल और मई में हीट वेव यानी लू के कई दौर पड़ सकते हैं। विशेषकर मैदानी और पश्चिमी जिलों में लू की तीव्रता अधिक रहने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि पश्चिमी विक्षोभ की गतिविधियां कम रहीं, तो तापमान में तेजी से वृद्धि हो सकती है।

स्वास्थ्य विभाग ने दी सावधानी की सलाह

बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। दोपहर के समय अनावश्यक बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और बुजुर्गों व बच्चों का विशेष ध्यान रखने की हिदायत दी गई है। किसानों को भी फसलों की सिंचाई और पशुओं के लिए पानी की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है। मौसम विभाग का मानना है कि मार्च की शुरुआत अपेक्षाकृत सामान्य रह सकती है, किंतु मध्य और अंतिम सप्ताह से गर्मी का प्रभाव तेज होगा।

होली बाद होगा मैदानी अफसरों का तबादला

एक दर्जन से अधिक जिलों के कलेक्टर बदले जाएंगे

विजय मत, भोपाल

मप्र में सरकार एक बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि होली के बाद मैदानी अफसरों की तबादला सूची जारी की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार, करीब एक दर्जन जिलों के कलेक्टर को बदलने की तैयारी की गई है। सूत्रों का कहना है कि मुख्य सचिव अनुराग जैन ने कलेक्टर-कमिश्नर कॉफ्रेंस के बाद अफसरों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार करवा ली है। सूत्रों का कहना है कि मुख्य सचिव की कलेक्टर-कमिश्नर कॉफ्रेंस के बाद अधिकारियों की परफॉर्मेंस रिपोर्ट तैयार कर ली है। अब उस रिपोर्ट के आधार पर प्रदेश सरकार बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करेगी। जिसमें एक दर्जन से अधिक जिलों के कलेक्टर भी बदले जाने की संभावना है। इस फेरबदल में भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह, धार के प्रियंक मिश्रा से लेकर रीवा, ग्वालियर, मैहर, नर्मदापुरम, झाबुआ जिले की महिला कलेक्टर को बदले जाने की संभावना है। साथ ही 2017 बैच के आईएएस अधिकारियों को कलेक्टर बनाने का सिलसिला शुरू होगा। मंत्रालय सूत्रों के अनुसार मैदानी अधिकारियों की पदस्थापना को लेकर शासन स्तर पर मंथन हो चुका है। तबादलों में तीन संभागायुक्त भोपाल, ग्वालियर, रीवा को बदला जा सकता है। भोपाल कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह सचिव पदोन्नत हो गए हैं। उन्हें भोपाल संभागायुक्त बनाया जा सकता है या फिर मुख्यमंत्री कार्यालय में वापसी हो सकती हैं।

15 से ज्यादा कलेक्टरों के तबादले

जानकारी के अनुसार, मप्र सरकार बड़ी प्रशासनिक सर्जरी की तैयारी कर रही है। विधानसभा के बजट सत्र के बाद 15 से ज्यादा जिलों के कलेक्टरों के तबादले किए जा सकते हैं। कलेक्टरों की नई पदस्थापना के लिए सरकार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का काम पूरा होने की तैयारी कर रही थी। 21 फरवरी को मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन के बाद एसआईआर का काम पूरा हो गया है। विधानसभा सत्र का समापन 6 मार्च को होगा।

एम्स भोपाल द्वारा नेत्र जांच शिविर एवं नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

विजय मत, भोपाल

एम्स भोपाल लगातार समाज के प्रत्येक वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए समर्पित प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ, प्रो. (डॉ.) माधवानन्द कर के नेतृत्व तथा प्रो. (डॉ.) भावना शर्मा (विभागाध्यक्ष, नेत्र विज्ञान विभाग) के मार्गदर्शन में नेत्र बैंक टीम द्वारा सेरेब्रल पाल्सी एसोसिएशन ऑफ इंडिया, जाटखेड़ी में नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम और नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष रूप से बहु-विकलांगता से ग्रसित बच्चों में दृष्टि संबंधी समस्याओं की समय पर पहचान करना और उनके परिजनों को नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। शिविर में 65 से अधिक सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों की नेत्र जांच की गई। इसके अतिरिक्त वहां

उपस्थित बच्चों के अभिभावकों तथा संस्थान के स्टाफ की भी आंखों की जांच की गई। जिन बच्चों अथवा अभिभावकों में आगे उपचार की आवश्यकता पाई गई, उन्हें एम्स भोपाल में परामर्श और उपचार के लिए संदर्भित किया गया। यह पहल महत्वपूर्ण है, क्योंकि समय पर नेत्र जांच से दृष्टि संबंधी समस्याओं का शीघ्र पता लगाया जा सकता है और स्थायी दृष्टि हानि से बचा जा सकता है। साथ ही, नेत्रदान जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से लोगों को यह संदेश दिया गया कि मृत्यु के बाद नेत्रदान करके किसी जरूरतमंद को नई रोशनी दी जा सकती है।

त्यौहारों सीजन में घरेलू उपभोक्ताओं के सिलेंडर के भाव नहीं बढ़ाए

एलपीजी सिलेंडरों में 7 से लेकर 71 रुपए तक की बढ़त

विजय मत, भोपाल

पेट्रोलियम कंपनियों ने इस महीने भी घरेलू गैस उपभोक्ताओं के सिलेंडरों में दाम नहीं बढ़ाकर आम लोगों को राहत दी है, वहीं कमर्शियल गैस सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी देखी गई है। आज से ये सिलेंडर 7 से लेकर 71 रुपए तक महंगे हो गए हैं। घरेलू गैस सिलेंडर अभी 881 रुपए में ही मिलता रहेगा। इसमें किसी प्रकार का कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह घरेलू उपभोक्ताओं के लिए सबसे बड़ी राहत है, जब सिलेंडरों के दामों में लगातार कई महीनों से कोई वृद्धि नहीं की गई है। 19 किलो का गैस सिलेंडर जो 1848 रुपए 50 पैसे का

मिल रहा था, वह अब 1874 रुपए का मिलेगा। इसके दाम में 28 रुपए 50 पैसे की वृद्धि की गई है। 5 किलो का अप्पू सिलेंडर रविवार से 562 रुपए में मिलेगा, जो कल तक 555 रुपए में मिल रहा था। इसमें 7 रुपए की वृद्धि की गई है, वहीं उद्योग-धंधों मे लगने वाला 47.5 किलो का गैस सिलेंडर 4 हजार 682 रुपए का आएगा, जो कल तक 4 हजार 610 रुपए का मिल रहा था। इसमें 71.50 रुपए की वृद्धि की गई है। अलग-अलग कंपनियों के दामों में 2 से 3 रुपए का अंतर आ सकता है।

डिवाइडर से टकराई तेज रफ्तार कार पलटने से बाल-बाल बची

विजय मत, भोपाल

राजधानी में पुराने शहर के गिन्नौरी रोड पर एक तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकरा गई। टक्कर के बाद कार तेजी से गुब्बारे की तरह ऊपर उठी लेकिन गनीमत रही की पलटी नहीं और आगे जाकर वापस नीचे आ गिरी। जिससे कार सवारों को गंभीर चोट नहीं आई। यह एक्सीडेंट 19 फरवरी को हुआ था, लेकिन इसका सीसीटीवी वीडियो शनिवार को सामने आया जो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। घटनास्थल के आसपास के लोगो का कहना है की जिस डिवाइडर से कार टकराई, उस पर न रिफ्लेक्टर लगे थे, और न कोई चेतावनी बोर्ड। रात के समय यह डिवाइडर सड़क के रंग का नजर आता है, जिससे दूर से आ रहे वाहन चालकों को इसका अंदाजा नहीं लग पाता। इसी का शिकार होकर तेज रफ्तार कार डिवाइडर से भिड़ी, और उछलकर आगे जा गिरी। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत ही कार सवार लोगो की मदद करते हुए उन्हें बाहर निकाला। स्थानीय के पार्षद समर हुजूर ने हादसे के वीडियो को साझा करते हुए प्रशासन से संबंधित डिवाइडर पर तुरंत रिफ्लेक्टर और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है। उनका कहना है कि ऐसी लापरवाही कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

नकली-केमिकल रंगों की बिक्री पर रोक नहीं

होली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में रंगों की धूम

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में होली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में रंगों की धूम है, लेकिन नकली और केमिकल वाले रंगों की बिक्री ने लोगों की सेहत को खतरे में डाल दिया है। ऐसा नहीं कि यह पहली बार होज्हां लेकिन जो हम आपको बता रहे हैं यह पहली बार ही है कि सरकार हर बार की तरह इस बार भी सो रही है। दरअसल, मध्य प्रदेश में मिलावट के लिए तो कई कानून, प्रावधान है। कड़ी सजा भी है, लेकिन बात अगर नकली, केमिकल युक्त और बेहद हानिकारक रंगों की जाए तो मामला जीरोज्मतलब न कोई प्रावधान न कोई लैब, तो जांच की बात तो दूर दूर तक नहींज्जबकि हर साल लोग हजारों की संख्या में नकली या केमिकल युक्त हानिकारक रंग गुलाल के शिकार हो जाते हैं।

कई बीमारियों का खतरा: बाजार में कुछ कंपनियां इस बात का दवा जरूर करती हैं कि उनके बेचे जाने वाले रंग और गुलाल प्राकृतिक हैं या आयुर्वेदिक औषधि युक्त है, लेकिन इन दावों का कोई प्रमाण पत्र कंपनियों के पास नहीं है। हानिकारक रंगों से त्वचा जलाने, एलर्जी और आंखों को नुकसान समेत कई गंभीर बीमारियों का खतरा होता है। आश्चर्य की बात तो यह भी है कि नकली और असली रंगों में पहचान कर पाना ग्राहक तो दूर दुकानदार और थोक मार्केट विक्रेताओं के भी बस की बात नहीं है।

कांग्रेस ने सरकार पर बोला हमला

इस मामले को लेकर कई जिम्मेदार अधिकारियों से बातचीत भी की, लेकिन अफसर है कि नीतिगत निर्णय ही न होने के कारण कैमरे के सामने कुछ भी बोले बताने से साफ इनकार हैं। रंगों की खतरनाक खेल को लेकर कांग्रेस पार्टी से पूर्व कानून मंत्री पीसी शर्मा ने कहा कि सालों से सत्ता में काबिज सरकार में सिर्फ दिखावा है। बड़े-बड़े दावों के अलावा कुछ नहीं है। सरकार को मामले पर तत्काल एक्शन लेना चाहिए। साथ ही साथ नीति बनाने और मिलावट से संबंधित कठोर प्रावधान भी करना चाहिए, लेकिन यह काम तो कांग्रेस सरकार में भी नहीं हुआ। इधर बीजेपी ने दावा किया कि मामले पर भी संज्ञान लिया जाएगा। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अजय सिंह यादव ने कहा कि होली त्यौहार में स्वास्थ्य और पुलिस महकमा सुरक्षा के लिए मुस्तैद है। स्थानीय प्रशासन भी अपनी जिम्मेदारी निभा रहा है।

खामेनेई की मौत पर भोपाल में मातम

जोहर की नमाज के बाद हुआ कार्यक्रम, अयातुल्ला अली खामेनेई को दी श्रद्धांजलि

विजय मत, भोपाल

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद देश-विदेश में शोक और श्रद्धांजलि सभाओं का सिलसिला जारी है। कश्मीर और लखनऊ के बाद अब मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भी शोक का माहौल देखा गया। करौंद स्थित शिया मस्जिद में रविवार को जोहर की नमाज के बाद श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। सभा में वक्ताओं ने खामेनेई के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा को संबोधित करते हुए बाकर हुसैन ने कहा कि पूरी दुनिया उस शख्सियत को जानती है, जिसने जुल्म के खिलाफ आवाज उठाई और मजलूमों का साथ दिया। उन्होंने कहा कि खामेनेई ने अपने जीवन में अत्याचार का विरोध किया और इस्लामी इंकलाब के सिद्धांतों को आगे बढ़ाया।

इजराइल-अमेरिका मुर्दाबाद के लगे नारे

कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने इजराइल मुर्दाबाद और अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाए, वहीं खामेनेई जिंदाबाद, अल्लाह हू अकबर और या हुसैन के नारों से सभा स्थल गूंज उठा। मजलिस में इमाम ने अपने संबोधन में कहा कि दुश्मन कभी सामने से हमला नहीं करता, बल्कि पीछे से वार करता है। उन्होंने कहा कि आयतुल्लाह खामेनेई की शहादत से उम्मते मुस्लिमा खुद को यतीम महसूस कर रही है। इमाम ने आगे कहा कि शहादत किसी भी विचारधारा या आंदोलन को कमजोर नहीं करती, बल्कि हौसलों को और बुलंद करती है।

गौमांस तस्करी के आरोपी असलम चमड़े के करीबी को ब्लैकमेल करने वाला गिरफ्तार

रिमांड पर चल रहा आरोपी राजेश तिवारी है पूर्व रेल्वेकर्मी

विजय मत, भोपाल

निशातपुरा पुलिस ने रेलवे के बर्खास्त कर्मचारी राजेश तिवारी को ब्लैकमेलिंग के आरोप में गिरफ्तार करने के बाद आगे की पूछताछ के लिये रिमांड पर लिया है। आरोपी के पास से पुलिस को नगदी के अलावा दो ग्राम एमडी ड्रग्स व अवैध पिस्टल भी बरामद हुई है। आरोपी ने गोमांस तस्कर असलम चमड़ा के करीबी को ब्लैकमेल करते हुए रुपए की मांग की थी। इसकी डील तीन लाख रुपए में तय हुई थी। पुलिस ने आरोपी को 50 हजार रुपए लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले वह एक लाख रुपए ले चुका है। पुलिस ने यह कार्रवाही असलम चमड़ा के करीब शाहजेब उर्फ जिब्बी की शिकायत पर की है। डील करते व नोटों की गड्डी लेते आरोपी का वीडियो भी वायरल हुआ है। पुलिस ने उससे रातभर पूछताछ की, लेकिन अधिक जानकारी

सामने नहीं आ सकी है, वहीं उसके मोबाइल को फॉरेंसिक लैब में जांच के लिए भेजा है, जिससे कई राज खुल सकते हैं। ऐसा माना जा रहा है कि उसके मोबाइल में ब्लैकमेलिंग से जुड़े कई वीडियो हैं। जिसके आधार पर पुलिस आगे की जांच करेगी। पुलिस उससे यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है, कि उसके पास पिस्टल और एमडी ड्रग्स कहां से आई। और वह भोपाल के किन तस्करों के संपर्क में था। रिमांड खत्म होने के बाद रविवार को उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा जाएगा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी राजेश तिवारी कई लोगों को ब्लैकमेल कर चुका है, जिसके वीडियो उसके मोबाइल में मिले हैं।

चमड़ा के करीबी जिब्बी को किया था ब्लेकमेल

जानकारी के मुताबिक जहांगीराबाद निवासी शाहजेब खान उर्फ जिब्बी गोमांस तस्कर असलम चमड़ा का नजदीकी है। पूर्व रेलकर्मी राजेश तिवारी लगातार शाहजेब खॉन के खिलाफ सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड कर रहा था। वह अपने वीडियो में उसे गोमांस तस्कर और भू-माफिया बताता था। बीती 26 फरवरी को शाहजेब ने इस मामले में निशातपुरा थाने में शिकायत की थी।

विजय मत एंकर साल 2021 में आउटसोर्स पर हुई थी नियुक्ति, आरोप- तय न्यूनतम वेतन मानकों से भी कम है सैलरी

मानदेय कटौती से नाराज 1346 योग प्रशिक्षक

विजय मत, भोपाल

प्रदेश में आयुष आधारित स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने का दावा किया जा रहा है। इसी बीच योग प्रशिक्षकों और योग सहायकों ने अपनी पीड़ा खुलकर सामने रखी है। मध्यप्रदेश में 1346 योग कर्मी आउटसोर्स व्यवस्था के तहत कार्यरत हैं और उन्हें अन्य राज्यों की तुलना में बेहद कम मानदेय मिल रहा है। कटौतियों के बाद हाथ में आने वाली राशि न्यूनतम वेतन से भी कम बताई जा रही है। योग कर्मियों का कहना है कि आर्थिक असुरक्षा के कारण वे मानसिक दबाव में काम कर रहे हैं और अब न्यायोचित मांगों पर सरकार से ठोस निर्णय की अपेक्षा है। नेशनल आयुष मिशन में आयुष्मान आरोग्य मंदिर और योग वेलनेस सेंटर में कार्यरत योग प्रशिक्षक और योग सहायक साल 2021 से आउटसोर्स के माध्यम से नियुक्त हैं। उनका कहना है कि वे आयुष मंत्रालय के दिशा निर्देशों के अनुरूप योग और आयुर्वेद के वैज्ञानिक आधार पर आमजन को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरिरत कर रहे हैं।

इन केंद्रों पर नियमित योग सत्र, गैर-संचारी रोगों की रोकथाम, मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

पीएफ और ईएसआई पर भी सवाल

योग प्रशिक्षकों के मानदेय से 666 रुपए और योग सहायकों से 417 रुपए भविष्य निधि के रूप में काटे जा रहे हैं। इसके अलावा ईएसआई मद में भी कटौती की जाती है, लेकिन कर्मियों का कहना है कि चार वर्षों से ईएसआई कार्ड उपलब्ध नहीं कराए गए। उनका आरोप है कि पीएफ राशि समय पर जमा नहीं होती और न ही पारदर्शिता से जानकारी दी जाती है। इससे आर्थिक असुरक्षा और बढ़ गई है।

समान कार्य के लिए समान वेतन की मांग: योग कर्मियों ने उदाहरण देते हुए बताया कि उत्तर प्रदेश में योग वेलनेस सेंटर पर पूर्णकालिक योग प्रशिक्षक को 27 हजार रुपएऔर योग सहायक को 10 हजार रुपए प्रतिमाह दिए जा रहे हैं।

तय न्यूनतम वेतन मानकों से भी कम है सैलरी

योग कर्मियों का आरोप है कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित मानदेय के अनुसार हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर पर योग प्रशिक्षक को 8000 रुपए और योग सहायक को 5000 रुपए प्रतिमाह मिलना चाहिए। देश के अधिकांश राज्यों में यह राशि दी भी जा रही है। लेकिन मध्यप्रदेश में आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से भुगतान होने के कारण कटौतियाँ अधिक हैं। वर्तमान में योग प्रशिक्षक को कुल मिलाकर लगभग 5555 रुपए और योग सहायक को करीब 3471 रुपए प्रतिमाह ही प्राप्त हो रहे हैं। योग कर्मियों के अनुसार, यह राशि श्रम मंत्रालय द्वारा तय न्यूनतम वेतन मानकों से भी कम है।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

कहीं चिता की राख तो कहीं फूलों से खेली जाती है होली!

मनोज अग्रवाल

> होली के गीतों में वैसे भी गालियां पिरोई होती हैं. शब्दों का प्रयोग कुछ इस प्रकार किया गया होता है कि लोग उसे सुन कर मस्ती करते हैं और उन्हें भीतर तक गुदगुदी होती है. वाराणसी, मिथिलांचल, कुमाऊं, राजस्थान, हरियाणा में होली पर गाली की अनोखी परंररा है। होली एक ऐसा त्योहार है, जो रंगों की मस्ती के साथ-साथ गालियों और गुदगुदाते गीतों के लिए भी खूब जाना जाता है. इसीलिए इस त्योहार को सबसे अनूठा कहते हैं. साल भर लोगों को इसका इंतजार रहता है. लोग गालियों और गीतों के जरिए अपनी भड़ास निकालते हैं. जैसा प्रदेश, वैसे गीत और वैसी ही वहां की गालियां. बहुरंगी होली की ये छटा दुनिया भर में निराली है। काशी की परंपराएं इसलिए अनूठी हैं क्योंकि यहां होली पर गालियों का भी अपना एक अलग संस्कार देखने को मिलता है।

समूचे देश समेत विशेषकर उत्तर भारत में मनाया जाने वाला होली पर्व आस्था विश्वास ऋतु परिवर्तन और सामाजिक एकता का लोकपर्व है। होली के दिन समूचा समाज सवर्ण असवर्ण गरीब अमीर सबल निर्बल राजा प्रजा ऊंच नीच के दायरे से बाहर आकर एक दूसरे को रंग गुलाल लगा कर सामाजिक समरसता व सौहार्द का सूत्रपात करता है यह लोकपर्व इतना सजीव व सामाजिक वैज्ञानिक आधार से जुड़ा है कि इस की प्रासंगिकता कभी खत्म नहीं हो सकती है। इस लोकपर्व के संबंध में प्रहलाद और होलिका की कथा सबसे ज्यादा प्रचलित है। पुराने समय में हिरण्यकश्यपु का पुत्र प्रहलाद विष्णु जी का परम भक्त था। ये बात हिरण्यकश्यपु को पसंद नहीं थी। इस वजह से वह प्रहलाद को मारना चाहता था। असुर राज हिरण्यकश्यपु ने बहुत कोशिश की, लेकिन प्रहलाद को मार नहीं सका। तब असुरराज की बहन होलिका प्रहलाद को लेकर आग में बैठ गई। होलिका को आग में न जलना का वरदान मिला हुआ था, लेकिन भगवान विष्णु जी की कृपा से होलिका जल गई और प्रहलाद बच गया। तभी से सत्य और धर्म की जीत के रूप में होली दहन का पर्व मनाया जाता है।।युगों पहले जिस तरह भक्त प्रहलाद के सकुशल बच जाने पर लोगोंसत ने रंग गुलाल लगा कर खुशी मनाई थी आज भी उसी तरह खुशी मनाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

होली के गीतों में वैसे भी गालियां पिरोई होती हैं. शब्दों का प्रयोग कुछ इस प्रकार किया गया होता है कि लोग उसे सुन कर मस्ती करते हैं और उन्हें भीतर तक गुदगुदी होती है. वाराणसी, मिथिलांचल, कुमाऊं, राजस्थान, हरियाणा में होली पर गाली की अनोखी परंररा है। होली एक ऐसा त्योहार है, जो रंगों की मस्ती के साथ-साथ गालियों और गुदगुदाते गीतों के लिए भी खूब जाना जाता है. इसीलिए इस त्योहार को सबसे अनूठा कहते हैं. साल भर लोगों को इसका इंतजार रहता है. लोग गालियों और गीतों के जरिए अपनी भड़ास निकालते हैं. जैसा प्रदेश, वैसे गीत और वैसी ही वहां की गालियां. बहुरंगी होली की ये छटा दुनिया भर में निराली है। काशी की परंपराएं इसलिए अनूठी हैं क्योंकि यहां होली पर गालियों का भी अपना एक अलग संस्कार देखने को मिलता है. दूसरे शहरों में गाली देने पर मार हो जाए, लेकिन यहां होली पर गालियां मनभावन लगती हैं।

रंगों से पूजा की जाती है

पंजाब में सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा शुरू की गई यह होलीवीर रस से भरी होती है। इसमें निहंग सिख पारंपरिक पोशाक पहनकर तलवारबाजी और घुड़सवारी (गतका) का प्रदर्शन करते हैं। पश्चिमी बंगाल व ओडिशा में यहाँ होली को डोल जात्रा के रूप में मनाया जाता हैजिसमें राधा-कृष्ण की मूर्तियों को झूलों (डोल) पर रखकर जुलूस निकाला जाता है और रंगों से पूजा की जाती है।

श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा से करीब 50 किमी दूर बरसाना की होली बहुत खास होती है। बरसाना में कई दिनों तक लट्ठमार होली खेली जाती है। फाल्गुन पूर्णिमा से पहले ही लोग यहां होली खेलना शुरू कर देते हैं। पास के नंदगांव के पुरुष बरसाना आते हैं और बरसाना के पुरुष नंदगांव जाते हैं। इन गांवों की महिलाएं पुरुषों को लट्ठ मारती हैं और पुरुष ढाल से बचने की कोशिश करते हैं। ये होली देखने देश-विदेश से लाखों लोग यहां आते हैं।

मान्यता है कि मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण ने राधा और गोपियों के साथ होली खेली थी। इसी वजह से इन जगहों पर होली की अच्छी खासी धूम होती है। मथुरा-वृंदावन में श्रीकृष्ण के भक्त बड़ी संख्या में होली खेलने पहुंचते हैं। यहां के मंदिरों में फूलों से होली खेली जाती है।बांके बिहारी मंदिर में फूलों की होली अवर्णनीय है।

बरसाना के राधा रानी मंदिर में लड्डू मार होली खेली जाती हैजहाँ एक-दूसरे पर लड्डू फेंके जाते हैं और उन्हें प्रसाद के रूप में खाया जाता है।

वाराणसी(काशी) के मणिकर्णिका घाट पर खेली जाने वाली होली विश्व प्रसिद्ध है। यहां शमशान की राख से होली खेली जाती है। मान्यता है कि शिव जी ने यहां अपने गणों के साथ चिता की राख से होली खेली थी। इसी मान्यता की वजह से आज भी शिव भक्त यहां मसाने की होली खेलते है। देश दुनिया में यह एकमात्र ऐसी होली है जिसमें चिता भस्म को रंग गुलाल की तरह इस्तेमाल करते हुए होली खेलते हैं।

देश-दुनिया से काफी लोग आते हैं

एक ऐसी भी होली है जहां जलती होली की लपटों के बीच पंडा नंगे पांव निकल जाता है लेकिन खरोंच तक नहीं आती है। मथुरा से करीब 50 किमी दूर एक गांव है फालैन। इसे प्रहलाद का गांव भी कहते हैं। फालैन गांव की होली की खास बात ये है कि यहां जलती हुई होली के बीच में से एक पंडा चलकर गुजरता है। होली ऊंची-ऊंची लपटों से निकलने के बाद भी पंडे का बाल तक नहीं जलता है। ये चमत्कार देखने के लिए देश-दुनिया से काफी लोग यहां पहुंचते हैं।

उत्तराखंड में होली संगीत और गायन के साथ मनाई जाती हैजिसे बैठकी होली कहा जाता हैजहाँ शास्त्रीय और पारंपरिक गीतों का गायन होता है।केरल के कोंकणी और कुडुंबी समुदाय के लोग इस दिन रंगों के बजाय हल्दी (मंजल) मिले पानी का उपयोग करते हैंजो शुद्धिकरण का प्रतीक हैमहाराष्ट्र और गोवा में यहाँ होली को रंग पंचमी या शिग्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है जो बसंत पंचमी से शुरू होता है कर्नाटक के हम्पी की होली भी दुनियाभर में प्रसिद्ध है। ये जगह यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज में शामिल है। इस जगह का संबंध त्रेतायुग की वानर सेना से है। मान्यता है कि सुग्रीव अपनी वानर सेना के साथ इसी क्षेत्र में रहते थे। यहां होली पर बड़ा आयोजन होता है। हजारों लोग यहां होली खेलने आते हैं।राजस्थान की होली उदयपुर और पुष्कर में आज भी शाही तौर तरीकों से होली खेली जाती है। इस मौके पर राजपुताना आन बान शान देखने को मिलती है।कई दूसरे एशियाई देशों में भी होली के प्रतिरूप रंगों का पर्व मनाया जाता है लेकिन भारतीय होली यकीनन आज भी अनूठी मस्ती से भरी है यह समाज को एक सूत्र में पिरो कर उमंग व उत्साह का संचार करती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

म्यूट मोड पर किशोर मन स्क्रीन के पीछे का अनसुना

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर मकान की मजबूती तो देखते हैं, लेकिन उसकी नींव में दबी दरारों को भूल जाते हैं। किशोरावस्था जीवन की वही नींव है जिसे अक्सर उम्र का तकाज़ा कहकर नज़रअंदाज़ कर दिया जाता है। हर साल 2 मार्च को मनाया जाने वाला विश्व किशोर मानसिक स्वास्थ्य दिवस हमें याद दिलाता है कि हमारे घर के बच्चों के मन में भी कई बार गहरा अंधेरा छाया होता है। आज का किशोर कल के युवाओं की तुलना में कहीं अधिक साधन संपन्न और तकनीक का जानकार है, लेकिन विडंबना यह है कि वह पहले से कहीं अधिक अकेला और मानसिक दबाव में भी है।

आज के किशोरों के पास सबसे बड़ी चुनौती है दिखावे की संस्कृति। हाथ में स्मार्टफोन और आंखों में चमकदार भविष्य के सपने लेकर वे जिस डिजिटल दुनिया में जी रहे हैं, वह जितनी आकर्षक है, उतनी ही भ्रामक भी है। सोशल मीडिया पर लाइक्स, व्यूज और कमेंट्स की संख्या अब उनके आत्म-सम्मान का पैमाना बन गई है। किसी सहपाठी की फिल्टर लगी फोटो या उसकी महंगी छुट्टियों की तस्वीरें देखकर खुद को कमतर आंकना अब एक मानसिक महामारी का रूप ले रहा है। यह तुलना का रोग उन्हें धीरे-धीरे हीन भावना और अवसाद की ओर धकेल रहा है, जिसे वे किसी से साझा भी नहीं कर पाते। अखबारों की सुर्खियों और टीवी के शोर के बीच, क्या हमने कभी गौर किया है कि घर के कोने में चुपचाप बैठा किशोर क्या सोच रहा है? स्कूल में अव्वल आने का बोझ, नामी संस्थानों में दाखिले की अंधी दौड़ और फिर दोस्तों के बीच खुद को कूल दिखाने की होड़। इन सबके बीच उनका मासूम और असली व्यक्तित्व कहीं खो जाता है। वे बोलना चाहते हैं, चीखना चाहते हैं, लेकिन डरते हैं कि कहीं उन्हें कमजोर या बीमार न समझ लिया जाए। हमारे समाज में आज भी शारीरिक चोट तो दिखती है, लेकिन मन के घावों पर बात करना अच्छा नहीं माना जाता। यही चुप्पी किशोरों को अंदर ही अंदर तोड़ देती है।

बीते कुछ वर्षों में तकनीक पर निर्भरता ने स्थितियां और जटिल कर दी हैं। स्क्रीन पर घंटों समय बिताने से वास्तविक मानवीय संवाद कम हो गया है।

सूचना

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

नया बीज बिल- 2026 : किसानों के हक और बीज की क्वालिटी के लिए नई दिशा

सुनील कुमार महला

> भारत सरकार एक नया सीड्स बिल, 2026 लाने की तैयारी कर रही है, जिसका मकसद एग्रीकल्चर सेक्टर में बड़े सुधार लाना है। यह पुराने सीड्स एक्ट, 1966 की जगह लेगा।मल्टीनेशनल कंपनियों के बढ़ते असर की वजह से, पुराना कानून काफी नहीं माना जा रहा है। सरकार का मकसद किसानों को मजबूत कानूनी सुरक्षा देना, सीड मार्केट में ट्रांसपेरेंसी लाना और कॉर्पोरेट कंपनियों की मनमानी पर असरदार कंट्रोल करना है। कृषि मंत्रालय ने किसान संगठनों, सीड इंडस्ट्री और दूसरे स्टेकहोल्डर्स से इनपुट लेने के बाद इस बिल का ड्राफ्ट तैयार किया है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद, इसे पार्लियामेंट के मौजूदा सेशन में पेश करने और जल्द से जल्द पास करने का प्लान है।नए कानून का बैकग्राउंड 2015-16 के बीटी कॉटन विवाद से जुड़ा है।

भारत दुनिया के खेती-बाड़ी वाले देशों में से एक है। यह कहना गलत नहीं होगा कि देश की एक बड़ी आबादी अभी भी सीधे या अप्रत्यक्ष रूप से खेती पर निर्भर है। अनुकूल मौसम, उपजाऊ मिट्टी और अलग-अलग भौगोलिक हालात कई तरह की फसलों की खेती के लिए सही हैं। गेहूं, चावल, गन्ना, दालें, तिलहन, कपास और मसाले जैसी फसलें न सिर्फ देश की खाने की ज़रूरतों को पूरा करती हैं, बल्कि एक्सपोर्ट के ज़रिए विदेशी मुद्रा कमाने में भी अहम भूमिका निभाती हैं। खेती-बाड़ी का सेक्टर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और लाखों लोगों को रोज़गार देता है। इसके अलावा, पशुपालन, डेयरी फार्मिंग, मछली पालन और बागवानी जैसे सहायक सेक्टर किसानों की इनकम बढ़ाने में मददगार साबित हो रहे हैं। समय-समय पर लागू की गई सरकारी योजनाएं और मॉडर्न टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल खेती को ज़्यादा प्रोडक्टिव, फायदेमंद और टिकाऊ बनाने में मदद कर रहा है। इस तरह, खेती न सिर्फ रोज़ी-रोटी का ज़रिया है, बल्कि भारत के सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक ताने-बाने का एक अहम हिस्सा भी है।

इस संदर्भ में, भारत सरकार एक नया सीड्स बिल, 2026 लाने की तैयारी कर रही है, जिसका मकसद एग्रीकल्चर सेक्टर में बड़े सुधार लाना है। यह पुराने सीड्स एक्ट, 1966 की जगह लेगा। अभी, सीड इंडस्ट्री में टेक्नोलॉजी में तरक्की और मल्टीनेशनल कंपनियों के बढ़ते असर की वजह से, पुराना कानून काफी नहीं माना जा रहा है। सरकार का मकसद किसानों को मजबूत कानूनी सुरक्षा देना, सीड मार्केट में ट्रांसपेरेंसी लाना और कॉर्पोरेट कंपनियों की मनमानी पर असरदार कंट्रोल करना है। कृषि मंत्रालय ने किसान संगठनों, सीड इंडस्ट्री और दूसरे स्टेकहोल्डर्स से इनपुट लेने के बाद इस बिल का ड्राफ्ट तैयार किया है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद, इसे पार्लियामेंट के मौजूदा सेशन में पेश करने और जल्द से जल्द पास करने का प्लान है।नए कानून का बैकग्राउंड 2015-16 के बीटी कॉटन विवाद से जुड़ा है। जैसा कि पाठक जानते हैं, रॉयल्टी को लेकर अमेरिकी कंपनी मोनसेंटो और भारतीय सीड कंपनियों के बीच एक गंभीर विवाद खड़ा हो गया था। मोनसेंटो अपनी टेक्नोलॉजी के लिए बहुत ज़्यादा रॉयल्टी ले रही थी, जिससे सीड की कीमतें बढ़ गईं और किसानों पर एक्स्ट्रा फाइनेंशियल बोझ पड़ा। भारत सरकार ने बीटी कॉटन के बीजों के लिए एक सीलिंग प्राइस और रॉयल्टी में कमी का ऑर्डर दिया। कंपनी ने इस फैसले को दिल्ली हाई कोर्ट में चैलेंज किया, और मामला सुप्रीम कोर्ट चला गया। इस कानूनी लड़ाई से पता चला कि पुराना कानून मल्टीनेशनल कंपनियों की पावर को कंट्रोल करने और बीज की कीमतों और क्वालिटी पर सरकार के अधिकार को साफ करने में कमजोर था। असल में, इसी स्थिति ने नए सीड्स बिल का आधार बनाया।

प्रस्तावित सीड्स बिल 2026 सभी बीजों का सरकारी रजिस्ट्रेशन ज़रूरी बनाता है, और बिना सरकारी मंजूरी के कोई भी बीज बाज़ार में नहीं बेचा जाएगा। पुराने कानून के तहत, कंपनियां अपने बीजों को असली लेबल वाली कैटेगरी में बिना किसी सख्त रजिस्ट्रेशन ज़रूरत के बेच सकती थीं, लेकिन अब यह तरीका खत्म कर दिया जाएगा। नया कानून बीजों के लिए साफ क्वालिटी स्टैंडर्ड तय करेगा। अगर कोई बीज खराब निकलता है और फसलों को नुकसान पहुंचाता है, तो संबंधित कंपनी को किसानों को हर्जाना देना होगा। यह कहना सही होगा कि इससे किसानों को सीधे कानूनी अधिकार मिलेंगे।इसके अलावा, बिल में एक डिजिटल ट्रैकिंग सिस्टम और एक नेशनल सीड रजिस्टर का भी प्रावधान है। इससे यह पक्का होगा कि हर बीज की वैरायटी, बनाने वाले और मालिक की जानकारी सरकारी रिकॉर्ड में सुरक्षित रहे। इससे नकली और घटिया बीजों की बिक्री रुकेगी और बीज की चोरी और गुमराह करने वाले दावों पर कंट्रोल होगा। बिना रजिस्टर्ड बीज बेचने, क्वालिटी स्टैंडर्ड का उल्लंघन करने या गलत जानकारी देने वाली कंपनियों के लिए सख्त सज़ा और भारी जुर्माने का भी प्रावधान किया गया है। बीज की कीमत और क्वालिटी कंट्रोल में सरकार की भूमिका को और मज़बूत और साफ़ किया जाएगा, जिससे बड़ी कंपनियाँ मनमानी रॉयल्टी या बहुत ज़्यादा कीमत वसूल नहीं कर पाएँगी।

असल में, सरकार ने यह भी साफ़ किया है कि किसानों को पारंपरिक बीजों के लिए बिना किसी रजिस्ट्रेशन की ज़रूरत के अपने बीज बदलने और बेचने की आज़ादी बनी रहेगी। कुल मिलाकर, नया सीड्स बिल 2026 एक ज़रूरी और बड़ा कानूनी सुधार है जो किसानों को मुआवज़ा, बीज बाज़ार में ट्रांसपेरेंसी, क्वालिटी एश्योरेंस और कॉर्पोरेट कंट्रोल पर रोक का अधिकार पक्का करता है।अच्छी खबर यह है कि नकली बीजों की वजह से पैसे का नुकसान और मानसिक तनाव झेल रहे किसानों को राहत देने के लिए कानूनी नियमों को मज़बूत किया जा रहा है। ध्यान देने वाली बात यह है कि प्रस्तावित बिल में नकली बीज बेचने पर 30 लाख रुपये तक का जुर्माना और तीन साल तक की जेल का प्रावधान है। इसके अलावा, सरकार बीजों की कीमत और क्वालिटी को रेगुलेट करेगी, जिससे कंपनियां किसानों से मनमानी कीमतें नहीं वसूल पाएंगी।

नकली बीजों के साथ-साथ नकली खाद की समस्या भी लंबे समय से है। बीज बनाने वालों की तरफ से दिए जाने वाले बीजों की क्वालिटी खराब होने से यह समस्या और बढ़ गई है। मौजूद डेटा के मुताबिक, पिछले पांच सालों में देश में 250,000 से ज़्यादा किसान नकली बीजों की वजह से परेशान हुए हैं। फसल खराब होने से मेंटल स्ट्रेस बढ़ा है और सुसाइड की खबरें भी आई हैं। असल में, एक साल में फसल खराब होने का खामियाजा किसानों को अगले चार से पांच साल तक भुगतना पड़ता है। कर्ज का बोझ भी बढ़ जाता है। देश में शायद ही कोई ऐसा इलाका हो जहां नकली खाद और बीजों का धंधा न हो।जैसा कि एक जाने-माने हिंदी अखबार ने लिखा, सरकार ने लोकसभा में माना है कि साल 2024-25 में टेस्ट किए गए 2.5 लाख सैंपल में से 32,525 बीज नकली पाए गए। मार्केट में कितनी बड़ी मात्रा में नकली खाद और बीज पहुंच रहे हैं, इसका सही डेटा मौजूद नहीं है। किसानों को तब पता चलता है जब उनकी फसल बर्बाद हो जाती है। हिंदी अखबार यह भी साफ-साफ कहता है। (यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

देशव्यापी एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

कांतिलाल मांडोत

राजस्थान के अजमेर की कायड़ विश्रामस्थली शनिवार को राष्ट्रीय महत्व के एक बड़े कार्यक्रम की साक्षी बनी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशव्यापी ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) टीकाकरण अभियान की शुरुआत की। यह अभियान 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने जहां बेटियों के स्वास्थ्य को राष्ट्र की प्राथमिकता बताया, वहीं अपने संबोधन में कांग्रेस पर तीखा राजनीतिक प्रहार भी किया। विकास, सुरक्षा, जल प्रबंधन, ऊर्जा और किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों को भी उन्होंने विस्तार से रखा।सभा की शुरुआत एचपीवी वैक्सीनेशन की औपचारिक प्रक्रिया से हुई। प्रधानमंत्री ने कुछ छात्राओं से संवाद कर यह जानने का प्रयास किया कि उन्हें इस टीके के महत्व के बारे में कितनी जानकारी है। उन्होंने बालिकाओं से पढ़ाई और परीक्षाओं को लेकर भी चर्चा की और उन्हें आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस अभियान का उद्देश्य देश में हर वर्ष हजारों महिलाओं की जान लेने वाले सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम करना है। सरकार का मानना है कि समय पर टीकाकरण से इस बीमारी के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कार्यक्रम स्थल पर विशेष डोम बनाकर टीकाकरण की शुरुआत की गई और पूरे आयोजन का लाइव प्रसारण भी किया गया।प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह देश की छवि को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर नुकसान पहुंचाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कभी इंडियन नेशनल कांग्रेस के नाम से जानी जाने वाली पार्टी अब अपने मूल स्वरूप से भटक चुकी है। उन्होंने तीखे शब्दों में कहा कि कांग्रेस के कृत्यों को देश कभी माफ नहीं करेगा। हाल ही में आयोजित अंतरराष्ट्रीय एआई सम्मेलन का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया भारत की प्रगति की सराहना कर रही है, लेकिन विपक्ष देश को बदनाम करने में लगा है।

राजस्थान के विकास पर बोलते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य अब ÷सूरज की ताकत से समृद्धि÷ कमा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मुफ्त बिजली योजना और सौर ऊर्जा परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि धूप अब आम लोगों की आय और बचत का साधन बन रही है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8654

1	2		3			4	5	
6					7			
		8		9			10	
11				12		13		
								14
	15					16		
17				18	19			
	20	21					22	
23				24				

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -8653 का हल

ती	रं	दा	ज		को	म	लां	गी
व्र		म	न	भ	र	ना		ज
ता	र			र			स	र
	म		क	म	र		मा	
प्र	ता	ड़	ना		स	र	ज	मीं
	जो		त	र	ना		वा	
बा	गी			सी			दी	न
य		ल	ची	ला	प	न		य
स	ना	त	न		र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

2 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

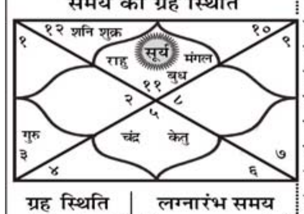

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.03 बजे से
चंद्र	सिंह में	मेष	08.34 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.14 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.12 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.25 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	16.42 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	18.53 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.04 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.19 ब.से
राहुकाल		धनु	01.35 बजे से
7.30 से 9.00		मकर	03.40 बजे से
बजे तक		कुंभ	05.26 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 61 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि चतुर्दशी 17.56 बजे को समाप्त।
नक्षत्र आश्लेषा 07.52 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 12.19 बजे को समाप्त।
करण गर 06.30 बजे, वणिज 17.56 बजे तदनन्तर विष्टि 05.29 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 12.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 07° 17'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872636
जूलियन दिन 2461101.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 12
विशेष फाल्गुन चौमासी चौदस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

जिला अस्पताल में पार्किंग व्यवस्था ध्वस्त

इमरजेंसी सेवाओं के लिए एम्बुलेंस को भी बाहर निकलने में लंबा इंतजार करना पड़ रहा, मरीजों की जान पर बन आई स्थिति

विजय मत, शहडोल

शहडोल जिला अस्पताल में पार्किंग की बदहाल स्थिति इन दिनों चरम पर पहुंच गई है। जहां एक ओर अस्पताल परिसर में वाहनों की अनियंत्रित खड़ी करने से जगह तंग हो गई है, वहीं इमरजेंसी सेवाओं के लिए एम्बुलेंस को भी बाहर निकलने में लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। यह समस्या न केवल मरीजों की जान को खतरे में डाल रही है, बल्कि अस्पताल की समग्र व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रही है।

रोजाना 500 से अधिक मरीजों का बोझ

शहडोल जिला अस्पताल जिले के साथ-साथ पूरे संभाग के मरीजों के लिए प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र है। यहां प्रतिदिन औसतन 500 से अधिक लोग इलाज के लिए पहुंचते हैं। ओपीडी, इमरजेंसी, विभिन्न विभागों में भर्ती मरीजों और उनके परिजनों के वाहनों की संख्या इतनी अधिक होती है कि निर्धारित पार्किंग क्षेत्र पूरी तरह भर जाता है। परिणामस्वरूप लोग अस्पताल के हर कोने में, गलियों में, यहां तक कि इमरजेंसी गेट के पास भी वाहन खड़े कर देते हैं। इससे अस्पताल परिसर में आवागमन लगभग ठप हो जाता है।

इमरजेंसी में फंस जाता है एंबुलेंस

सबसे गंभीर समस्या इमरजेंसी सेवाओं से जुड़ी है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, कई बार गंभीर हालत में आए मरीजों को ले जाने वाली एम्बुलेंस को पार्किंग की भीड़ के कारण बाहर निकलने में 10-15 मिनट तक इंतजार करना पड़ता है। यह देरी मरीज की स्थिति को और बिगाड़ सकती है। प्राइवेट एम्बुलेंस और अन्य वाहनों की अनियंत्रित पार्किंग से इमरजेंसी रूट ब्लॉक हो जाता है, जिससे जीवन रक्षक सेवाएं प्रभावित हो रही हैं।

प्राइवेट एम्बुलेंस और ऑटो चालकों की मनमानी

अस्पताल परिसर में प्राइवेट एम्बुलेंस और ऑटो चालकों की घमाचौकड़ी आम बात हो गई है। वे मरीजों से मनमाने किराए वसूलते हैं और पार्किंग स्थल पर भी अवैध रूप से कब्जा जमाए रहते हैं। ऑटो चालक अक्सर यात्रियों को ठगने या जबरन सवारी भरने की कोशिश करते हैं, जिससे मरीज परिजनों को लगातार परेशानी होती है।

आए दिन विवाद और झगड़े की स्थिति

पार्किंग की अव्यवस्था से रोजाना विवाद की नौबत आती है। मरीजों के परिजन और पार्किंग स्टैंड के कर्मचारियों के बीच तीखी नोंकझोंक आम है। ब्लड बैंक और पुलिस चौकी के सामने वाहनों की लंबी कतार लग जाती है, जिससे गायनिक विभाग की ओर जाने वाली जननी एक्सप्रेस एम्बुलेंस को भी रुकना पड़ता है। प्राइवेट वार्ड की ओर भी यही हाल रहता है। नेत्र विभाग की तरफ जाने वाले मरीजों और उनके परिजनों को पैदल चलने में भी मुश्किल होती है, क्योंकि रास्ते में वाहन खड़े रहते हैं।

विभागीय रास्तों पर भी कब्जा

अस्पताल के विभिन्न विभागों के रास्ते भी पार्किंग की समस्या से अछूते नहीं हैं। जहां मनमाने ढंग से वाहन खड़े किए जाते हैं, वहां पैदल चलना जोखिम भरा हो जाता है। खासकर बुजुर्ग मरीजों और बच्चों के लिए यह स्थिति बेहद परेशान करने वाली है। प्राइवेट वार्ड और नेत्र विभाग के प्रवेश द्वार पर भी वाहनों की भीड़ रहती है, जिससे विभागीय कार्य प्रभावित होता है। यह समस्या लंबे समय से चली आ रही है, लेकिन हाल के दिनों में स्थिति और बिगड़ गई है। मरीजों और उनके परिजनों की शिकायतें बढ़ रही हैं, जबकि अस्पताल प्रशासन की ओर से अभी तक कोई ठोस

मोह, मिथ्या और अज्ञान ही जीव के भटकाव का मूल कारण : मुनि श्री प्रमाण

विजय मत, बुढ़ार

नव-निर्मित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के पाँचवें दिवस भावनायोग प्रणेता राष्ट्रीय संत मुनि श्री प्रमाण सागर महाराज ने भगवान के कैवल्यज्ञान उपरांत समवसरण की गणधर पीठिका से अत्यंत मार्मिक एवं आध्यात्मिक उद्बोधन प्रदान किया।मुनि श्री ने कहा–

÷इस अनादि संसार में जीव चारों गतियों और 84 लाख योनियों में निरंतर भटक रहा है,उसके इस भटकाव का मूल कारण उसके अंतर में पलने वाला मोह, मिथ्यात्व और अज्ञान है।÷उन्होंने नरक गति का वर्णन करते हुए कहा कि वहाँ जीव को असहनीय यातनाएँ सहनी पड़ती हैं– कभी उसे कड़ाही में डाला जाता है, तो कभी तलवार की तीक्ष्ण धार का सामना करना पड़ता है; मानो हजारों बिच्छुओं ने एक साथ डंक मार दिए हों। नरक से निकलकर जीव कभी एक इंद्रिय, कभी द्वि-इंद्रिय, फिर तिर्यंच गति में भ्रमण करता हुआ मनुष्य जन्म प्राप्त करता है। किंतु मनुष्य जीवन में भी वह कभी भिखारी बनकर कष्ट भोगता है।मुनि श्री ने स्पष्ट कहा कि मोह, मिथ्यात्व और अज्ञान आत्मा के प्रबल शत्रु हैं। इन्हीं के कारण जीव अपने आत्मस्वरूप से दूर होकर पंचेंद्रिय विषयों तथा क्रोध, मान, माया, लोभ जैसी कषायों में फँसकर पाप और दुर्गतियों का भागी बनता है। पंचकल्याणक महोत्सव के पावन अवसर पर एक और ऐतिहासिक क्षण जुड़ा जब प्रातःकाल पूज्य मुनि श्री प्रमाणसागर महाराज ससंघ की मंगलमयी उपस्थिति में ÷भगवान महावीर द्वार÷ का विधिवत शिलान्यास संपन्न हुआ।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया में 22 कर्मचारी सेवानिवृत

विजय मत,धनपुरी

इस अवसर पर एरिया महाप्रबंधक बीके जेना ने कहा कि कोयला खदान में मुश्किल हालातो में भी हमारे श्रम वीर काम करते हैं कोयले का उत्पादन करते हैं जो हमारे राष्ट्र के लिए सबसे महत्वपूर्ण भी है हालात चाहे कितने भी कठिन हो लेकिन कर्मचारियों के लग्न में मेहनत से हमेशा हर मुश्किल को हमने पाया है और आज यहां पर हमारे 22 कर्मचारी जो सेवानिवृत हो रहे हैं उनके सम्मान में जो कार्यक्रम आयोजित है सर्वप्रथम तो वह सभी को शुभकामनाएं देते हैं और उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं हमारे लिए यह सबसे बड़े गौरव की बात है कि हम कोल इंडिया मिनी कंपनी के हिस्सा है कई वर्षों तक आपने इस कंपनी में रहकर काम किया और जब भी जो जिम्मेदारी दी गई उसे निभाया यह पल हमारे लिए खुशी का भी पल है और थोड़ा सा मन भावुक इसलिए भी होता है की लंबे समय तक हम एक साथ मिलकर काम करते हैं और इस तरह से हम एक परिवार का हिस्सा होते हैं उक्त बातें एसईसीएल सोहागपुर एरिया के महाप्रबंधक बी के जेना ने आरसी क्लब में सेवानिवृत कर्मचारियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कहीं। इस अवसर पर श्रम संगठन से द्वारका प्रसाद मिश्रा शशि भूषण शुक्ला शिवनारायण मिश्रा शिव तिवारी एरिया महाप्रबंधक संचालन मनीष श्रीवास्तव ऑफिसर एसोसिएशन से अमित सिंह एरिया कार्मिक प्रबंधक बलराम हेंब्रम वरिष्ठ पत्रकार सनत शर्मा भी मौजूद थे।सेवानिवृत कर्मचारियों के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक बी के जेना ने कहा कि आज सेवानिवृत्त सम्मान समारोह कार्यक्रम में हम सभी एक मंच पर मौजूद हैं ।

सीमेकॉन 2026 के प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप एवं वैज्ञानिक सत्र का शुभारंभ

विजय मत, शहडोल

धनपुरी एसईसीएल की मेजबानी में आयोजित की जा रही कोल इंडिया मेडिकल कॉन्फ्रेंस सीमेकॉन 2026 के अंतर्गत आज प्री-कॉन्फ्रेंस वर्कशॉप एवं वैज्ञानिक सत्र का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि बिरंची दास, निदेशक (मानव संसाधन), एसईसीएल द्वारा किया गया।

अपने संबोधन में बिरंची दास ने कहा कि ÷हेल्दी माइन्स÷ केवल एक थीम नहीं, बल्कि आने वाले समय की चुनौतियों का सामना करने की हमारी सामूहिक तैयारी का संकल्प है। उन्होंने कहा कि भविष्य में एक स्वस्थ, सक्षम और सजग कार्यबल ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति होगी। इसलिए व्यावसायिक स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त बनाना, खदान क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों की नियमित स्वास्थ्य जाँच, समयबद्ध निदान तथा उन्नत चिकित्सा पद्धतियों का प्रभावी उपयोग अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसी आधुनिक तकनीकों की बढ़ती भूमिका पर भी बात की।

इस अवसर पर डॉ. श्रुतिदेव मिश्रा, चिकित्सा सेवा प्रमुख, एसईसीएल, डॉ. कल्याण सरकार, चिकित्सा सेवा प्रमुख, सोहागपुर क्षेत्र तथा डॉ. अरिहंत जैन, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी, आईवीएचसी (इंदिरा विहार), एसईसीएल, एवं विभिन्न अनुषंगी कंपनियों एवं देश के बड़े अस्पतालों से आए सहित चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रथम वैज्ञानिक सत्र में ऑक्यूपेशनल हेल्थ पर केंद्रित कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें स्पाइरोमेट्री, चेस्ट एक्स-रे, रेडियोग्राफ्स एवं न्यूमोकोनियोसिस से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई।

पर्यावरण की सुरक्षा का संदेश लेकर निकले

नई पहल- आओ जलाएं कंडे की होली अभियान से जुड़े युवा, लोगों को कर रहे हैं जागरूक

विजय मत, शहडोल

पर्यावरण के संरक्षण और गोवर्धन के लिए जरूरी है हम सब मिलकर काम करें इसके लिए आने वाले त्योहार होली पर हम गाय के गोबर से बने हुए कंडो की होली जलाकर न केवल पर्यावरण को बचाने का काम कर सकते हैं बल्कि हम गौशालाओं के विकास के लिए भी एक कदम आगे बढ़ा सकते हैं। कंडो की होली के यहां लकड़ी की बचत होगी वहीं पर्यावरण सुरक्षित रहेगा।

एकत्र कर रहे हैं कंडा कार्यक्रम संयोजक हिमांशु तिवारी ने बताया कि युवा टीम उमरिया के सदसयो के द्वारा इस वर्ष भी लकड़ी की जगह कंडो से होलिका दहन किया जाएगा। इसके लिए युवा टीम उमरिया के सदस्य गांव-गांव घर-घर जाकर कंडे इकट्ठा करने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि होलिका जलाते समय हम जहां अति उत्साह में आकर कई क्विंटल लकड़ी जला देते हैं। तो कहीं कहीं तो हरे भरे पेड़ काटकर भी होली में रख देते हैं। जिससे प्रकृति का नुकसान होता है। उन्होंने बताया होलिका दहन पर उपले व गोकाष्ठ जलाने के दौरान उसमें कपूर और इलायची जलाया जाए तो इससे वातावरण में शुद्ध होगा और स्वाइन फ्लू के कीटाणु भी मर जाएंगे। हम जागरूक नागरिक की भूमिका का निर्वहन करते हुए आओ जलाएं कंडो की होली अभियान को गति दे और इसका सहयोगी बने। युवाओं ने किया तय युवा टीम उमरिया के सदस्यों ने इस वर्ष तय किया है कि उमरिया जिले के कई विभिन्न स्थानों में इस वर्ष कंडों की होली जलाने में अपनी सहभागिता निभाएंगे। युवाओं का कहना है कि इस बार लकड़ी की जगह हम आसपास उगी झाड़ियों को शामिल करेंगे और कंडो की संख्या बढ़ाएंगे। 100 से भी अधिक युवा आयोजन की तैयारी में जुटे हुए है। युवाओं ने आवाहन किया आइए अबकी होली में यह शपथ लें कि लकड़ियों को न जलाएंगे न जलाने देंगे। प्राकृतिक रूप से होलिका के लिए गोबर के कंडों का प्रयोग करेंगे। इससे पर्यावरण भी बेहतर रहेगा और गोशालाएं भी समृद्ध होंगी।इस दौरान टीम संयोजक हिमांशु तिवारी,राहुल सिंह,,खुशबू बर्मन,साक्षी रैदास, महक सोनी, मुस्कान सोनकर के सहित 100 युवा तैयारी कर रहे है।

समस्या

गांधी चौक–गंज रोड पर ठेलों से सड़क संकरी, आवागमन बाधित, नपा कार्रवाई दिखावटी

शहडोल सब्जी मंडी में ठेलों का अतिक्रमण, रोज जाम और विवाद

विजय मत, शहडोल

शहर की प्रमुख सब्जी मंडी इन दिनों ठेला संचालकों की मनमानी का प्रमुख केंद्र बनती जा रही है। बीच सड़क पर बेतरतीब ढंग से लगाए जा रहे ठेले न केवल आवागमन को बुरी तरह बाधित कर रहे हैं, बल्कि रोजाना विवाद और तनाव की स्थिति पैदा कर रहे हैं। स्थायी दुकानदारों का आरोप है कि ठेला वाले उनकी दुकानों के ठीक सामने कब्जा जमा लेते हैं, जिससे ग्राहकों का आना-जाना लगभग असंभव हो जाता है।

सड़क संकरी, आवागमन ठप–गांधी चौक से गंज रोड के बीच स्थित यह मंडी क्षेत्र करीब 20 फीट चौड़ी सड़क पर फैला हुआ है, लेकिन शाम होते-होते ठेलों के कारण यह मात्र 10 फीट तक सिमट जाती है। सड़क के दोनों ओर हाथ ठेलों का कब्जा हो जाता है, जबकि कुछ ठेला संचालक तो सड़क के बीचों-बीच ठेले खड़े कर व्यापार करते हैं। इससे न केवल वाहनों का आवागमन मुश्किल होता है, बल्कि पैदल चलने वालों को भी भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। बाजार में आने वाले ग्राहकों की संख्या बढ़ने के साथ ही यह समस्या और गंभीर रूप ले लेती है।

महिलाओं के साथ अभद्रता के आरोप–ठेला संचालकों की मनमानी सिर्फ जगह कब्जे तक सीमित नहीं है। कई बार महिलाओं के साथ अभद्रता और गाली-गलौज के मामले सामने आए हैं। पीड़ित महिलाओं ने पुलिस थाने में शिकायतें भी दर्ज कराई हैं, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं दिख रहा। बाजार में आने वाली महिलाएं और परिवार अब असहज महसूस करते हैं, जिससे बाजार की चहल-पहल पर असर पड़ रहा है।

नपा की कार्रवाई सिर्फ दिखावटी–व्यापारियों का कहना है कि नगर पालिका (नपा) की कार्रवाई कभी-कभार ही होती है और वह भी महज सड़कों पर चूना डालकर मार्किंग करने तक सीमित रह जाती है। कुछ दिन पहले मार्किंग कराई गई थी, लेकिन उसके बाद भी ठेले वही पुरानी जगहों पर लग गए। कार्रवाई के कुछ दिनों बाद स्थिति पहले जैसी हो जाती है। नगरपालिका के अंतर्गत 3 हजार से अधिक हाथ ठेलों और फुटपाथ दुकानों का पंजीकरण है, जिनमें गांधी चौक से इंदिरा चौक, पुराना गांधी चौक से गंज रोड, नया गांधी चौक से गंज रोड तथा जय स्तंभ से नया गांधी चौक तक के क्षेत्र शामिल हैं। इनमें से अधिकांश सड़क किनारे ठेले लगाकर व्यापार कर रहे हैं।

स्थायी दुकानदारों में रोष–स्थायी दुकानदारों का आरोप है कि ठेला संचालक उनकी दुकानों के सामने जगह घेर लेते हैं, जिससे ग्राहक सीधे उनकी दुकानों तक नहीं पहुंच पाते। इससे उनकी बिक्री पर सीधा असर पड़ रहा है। कई दुकानदारों ने बताया कि ठेलों की वजह से बाजार में भीड़ बढ़ने के बावजूद उनकी आय घटी है। वे मांग कर रहे हैं कि प्रशासन ठोस कदम उठाए और ठेलों को निर्धारित जगह पर ही सीमित किया जाए।

यातायात विभाग की अनदेखी–यातायात विभाग भी इस समस्या से नजरअंदाज करता दिख रहा है। ठेलों के कारण सड़क पर जाम की स्थिति बनती है, लेकिन कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही। स्थानीय लोग और व्यापारी दोनों ही परेशान हैं, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर कोई स्थायी समाधान नहीं निकल रहा। ठेला संचालकों की मनमानी अब शहर की सब्जी मंडी की पहचान बनती जा रही है।

न्यूज इन शॉर्ट

6 मार्च से हिंद मजदूर सभा करेगी चकाजाम

धनपुरी एक तरफ एरिया प्रबंधन की चिंता कोयला उत्पादन को लेकर देखी जा रही है तो दूसरी तरफ सोहागपुर एरिया के अमलाई ओपन कास्ट में जो वर्तमान में स्थितियां नजर आ रही है वह कहीं ना कहीं प्रबंधन की चिंता को और बढ़ाने का काम कर रही है कुछ दिनों पहले यहां पर काम कर रही प्राइवेट कंपनी आरकेटीसी के द्वारा आठ ठेका कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया गया था और अब धीरे-धीरे यह मुद्दा आंदोलन का रूप लेते हुए देखने को मिल रहा है सोहागपुर एरिया की श्रमिक संगठन हिंद मजदूर सभा इस मुद्दे को लेकर पूर्व में ही प्रबंधन को आंदोलन की बात को लेकर ज्ञापन दे चुकी थी और प्रबंधन के साथ हुई बैठक के बाद भी नतीजा कुछ नहीं निकला और अब हिंद मजदूर सभा ने 6 मार्च से अमलाई ओपन कास्ट में चका जाम करने का निर्णय लिया है वहीं दूसरी तरफ कंपनी की कार्य प्रणाली को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं और शिकायतें अब बिलासपुर मुख्यालय भी पहुंच रही हैं दूसरी तरफ अगर देखा जाए तो इस मुद्दे को लेकर भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ ने भी सवाल उठाए हैं और इस बात को कहा है कि प्रबंधन कंपनी की मनमानी पर रोक लगाई नहीं तो भारतीय कोयला खदान मजदूर संघ भी आंदोलन करने को मजबूर होगी इस तरह से अगर देखा जाए तो धीरे-धीरे श्रम संगठन की नाराजगी भी कंपनी की कार्य प्रणाली को लेकर उठने लगी है जो धीरे-धीरे एक बड़े आंदोलन का रूप ले सकती है।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया हिंद मजदूर सभा के द्वारा अमलाई ओपन कास्ट में बर्खास्त किए गए 8 कर्मचारियों के मुद्दे को लेकर विरोध किया गया था एरिया के वरिष्ठ श्रमिक नेता शिवनारायण मिश्रा शशि भूषण शुक्ला अध्यक्ष राकेश पांडेय महामंत्री नीरज चतुर्वेदी के द्वारा एरिया महाप्रबंधक एवं क्षेत्रीय प्रबंधक को ज्ञापन देकर इस पर विरोध दर्ज कराया था और इस बात को भी कहा था कि जिन आठ ठेका कर्मचारियों को बर्खास्त किया गया है उन्हें कंपनी वापस काम पर रखें और ऐसा नहीं किया जाता है तो हिंद मजदूर सभा ओपन कास्ट में चक्र जाम करने को मजबूर होगी और कोयला डिस्पैच भी बंद करेगी यही कारण था कि हिंद मजदूर सभा के पदाधिकारी के साथ एरिया महाप्रबंधक कार्यालय में महाप्रबंधक बीके जेना ने भी बैठक की और बैठक में हिंद मजदूर सभा के पदाधिकारी ने महाप्रबंधक के समक्ष अपनी सभी बातों को रखा है वहीं आज एक बार फिर एरिया महाप्रबंधक के साथ हिंद मजदूर सभा के पदाधिकारी एवं प्राइवेट कंपनी आरकेटीसी के प्रबंधक के साथ बैठक हुई इस बैठक में भी हिंद मजदूर सभा के द्वारा बर्खास्त 8 कर्मचारियों को फिर से बहाल करने की बात कही गई जहां पर कंपनी के प्रबंधक के द्वारा अपनी भी बात रखी जा रही थी लेकिन हिंद मजदूर सभा ने साफ शब्दों में कहा की आठ कर्मचारियों की बहाली तक किसी भी मुद्दे पर चर्चा नहीं की जाएगी और अगर ऐसा नहीं किया जाता तो हिंद मजदूर सभा आंदोलन को मजबूर होगी दूसरी तरफ आज एरिया अध्यक्ष राकेश पांडे एवं महामंत्री नीरज चतुर्वेदी के द्वारा एरिया प्रबंधन को एक ज्ञापन देकर फिर स्पष्ट कहा गया है कि 6 मार्च से पहले अगर बर्खास्त आठ ठेका कर्मचारियों को कम पर वापस नहीं रखा जाता तो 6 मार्च से ओपन कास्ट में हिंद मजदूर सभा चकाजाम करेगी और कोयला डिस्पैच भी बंद करेगी।

05 माह से फरार एनडीपीएस आरोपी गिरफ्तार

धनपुरी मुखबिर सूचना पर धनपुरी पुलिस ने बंगबार कॉलोनी के पीछे दबिश देकर शुभम तिवारी उम्र 30 वर्ष को अवैध कोरेक्स बिक्री करते गिरफ्तार किया था। पुलिस द्वारा उसके कब्जे से 16 नग कोडीन युक्त ह्हश्वत्रश्वङ्ग कफ सिरप, 16 नग कोरेक्स कफ सिरप, 01 मोबाइल व 1500 नगद सहित कुल 14,724 का मशरूका जब्त किया गया था।

पूछताछ में प्रकरण में सहआरोपी मोहम्मद जफर उर्फ राजा बाबू (28 वर्ष), निवासी नरगड़ा मोहल्ला, धनपुरी का नाम सामने आया, जो घटना के बाद से फरार चल रहा था।

धनपुरी पुलिस ने मुखबिर सूचना पर आरोपी मोहम्मद जफर उर्फ राजा बाबू पिता अफजल मुसलमान उम्र 28 साल निवासी नरगडा मोहल्ला धनपुरी थाना धनपुरी जिला शहडोल को नरगड़ा मोहल्ला से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।सराहनीय भूमिका- उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी निरीक्षक खेमसिंह पेन्द्रो के नेतृत्व में, उप निरी. नागेन्द्र प्रताप सिंह, उपनिरी. आर.पी. प्रजापति, सउनि भारत सिंह, प्र.आर. शैलन्द्र सिंह राठौर, गेंद सिंह उईकेस आरक्षक सतवंत, भरत लाल शर्मा, बीरेन्द्र सिंह, कोमल लोधी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की प्रथम जिला कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

शहडोल। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश अध्यक्ष साथी शलभ भदौरिया के निर्देशन में नवनियुक्त प्रांतीय महासचिव साथी दिनेश अग्रवाल का जिला इकाई शहडोल द्वारा उच्च विश्राम गृह के सभागार में आत्मीय सम्मान किया गया । नवगठित जिला कार्य कारणी शहडोल के जिलाध्यक्ष साथी गजेंद्र सिंह परिहार की अध्यक्षता में बैठक का भव्य आयोजन किया गया। मंच पर जिलाध्यक्ष साथी गजेंद्र सिंह परिहार के साथ नवनियुक्त प्रदेश महासचिव साथी दिनेश अग्रवाल, प्रदेश संगठन प्रभारी साथी मो.अली, संभागीय महासचिव साथी कृष्णा तिवारी, जिला महासचिव साथी अनुराग त्रिपाठी और जिला कार्यकारी अध्यक्ष साथी अशोक तिवारी विशेष रूप से मौजूद रहे। लगातार तीसरी बार जिले की कमान संभालने पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों और आधे सैकड़े से अधिक कार्यकर्ताओं ने साथी गजेंद्र सिंह परिहार का आत्मीय स्वागत करते हुए उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया। ब्लॉक कार्यकारिणी का अनुमोदन और आगामी भव्य आयोजनों पर चर्चा के उपरांत संगठन के विस्तार हेतु जिलाध्यक्ष साथी गजेंद्र सिंह परिहार ने अपने विचार रखे । वरिष्ठ जनों की अनुशंसा पर गोहपारु, जयसिंहनगर और ब्यौहारी ब्लॉक की कार्यकारिणी का विधिवत अनुमोदन किया गया। इस अवसर पर ब्यौहारी ब्लॉक अध्यक्ष साथी लक्ष्मीकांत चतुर्वेदी ने आगामी दिनों में ब्यौहारी में संगठन का एक विशाल और भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की महत्वपूर्ण घोषणा की ।

जिला स्तरीय समीक्षा एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक 11 मार्च को

उमरिया । वित्तीय वर्ष 2025-26 कि जिला स्तरीय समीक्षा एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक का आयोजन 11 मार्च 2026 को अपरान्ह क्रमशः 4 बजे एवं 5 बजे कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन कि अध्यक्षता मे कलेक्ट्रेट सभाकक्ष मे किया गया है । बैठक में जिला सलाहकार समिति एवं जिला स्तरीय समीक्षा समिति की सितम्बर 2025 तिमाही बैठक का कार्यवाही विवरण,जमा एवं अग्रिम अनुपात तथा बैंकिंग पैरामीटर की समीक्षा , एनुअल क्रेडिट प्लान वर्ष 2026 -27 की समीक्षा, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं पर विस्तृत चर्चा,सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई शिकायतों की समीक्षा, प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के आईएसएस घटक अंतर्गत ईडब्लूएस ध् एलआईजीध् एम आई जी वर्ग के पात्र हितग्राहियों को लाभ प्रदान करने संबंधी, विभिन्न शासकीय योजनाओं की विभागवार अद्यतन प्रगति की समीक्षा , वित्तीय साक्षरता अभियान एवं प्रत्येक माह के तीसरे शुक्रवार को ग्रामीण शाखाओं के द्वारा शिविर आयोजन की समीक्षा की चर्चा की जाएगी।

न्यूज इन शॉर्ट

आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन अब प्रातः 9 बजे से

शहडोल। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्री अखिलेश मिश्रा ने जानकारी दी है कि शीतऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जिले अन्तर्गत संचालित आंगनवाडी केन्द्रों के संचालन के समय में आंशिक परिर्वतन करते हुए सुबह 10 बजे से दोपहर 04 बजे तक नियत किया गया था। शीतऋतु समाप्त होने के पश्चात 1 मार्च से आंगनवाडी केन्द्रों का संचालन पूर्ववत् निर्धारित समय अनुसार सुबह 09 बजे से दोपहर 04 बजे तक आगामी आदेश तक संचालित किया जाएगा।

ई.व्ही.एम. व्ही.व्ही.पी.ए.टी वेयरहाउस का निरीक्षक 2 मार्च को

शहडोल। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग ने जानकारी दी है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ई.व्ही.एम. व्ही.व्ही.पी.ए.टी वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण आंतरिक तौर पर (ताला खोलकर) 2 मार्च को दोपहर 2:00 से किया जाएगा।

ग्रीष्म ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए जिला एवं खंड स्तरीय पेयजल प्रकोष्ठ गठित

शहडोल। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड शहडोल ने जानकारी दी है कि शहडोल जिले में ग्रीष्म ऋतु में जल जनित बीमारियों एवं संभावित पेयजल समस्या के त्वरित निराकरण नियंत्रण, रोकथाम एवं पेयजल व्यवस्था के सुचारू संचालन हेतु जिला स्तरीय एवं विकासखंड स्तरीय प्रकोष्ठ का गठन किया गया है जिला स्तरीय प्रकोष्ठ का दूरभाष क्रमांक 07652240307 है। जिला स्तरीय प्रकोष्ठ में प्रकोष्ठ प्रभारी अरुण खरे जिनका मोबाइल नंबर 9669177805, प्रकोष्ठ रजिस्टर प्रभारी श्री मनोज कुमार सिंह जिनका मोबाइल नंबर 9755 92 5322, श्री रोहिणी प्रसाद बर्मन जिनका मोबाइल नंबर 940 70 80 816, श्री प्रताप सिंह आर्मी जिनका मोबाइल नंबर 9098869302 है। इसी प्रकार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखंड शहडोल हेतु श्री विवेक तिवारी सहायक यंत्री जिनका मोबाइल नंबर 9238172427 है, उपयंत्री श्री के एस गर्ग, श्रीमती अनुपमा, विकासखंड समन्वयक श्री दीप नारायण त्रिपाठी के नाम शामिल हैं। इसी प्रकार लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखंड बुढार हेतु सहायक यंत्री अजय कुमार श्रीवास्तव श्रीमती अपूर्ण यादव रोहिणी गुप्ता, लोग स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखंड ब्यौहारी हेतु सहायक यंत्री वन पटेल, उपयंत्री श्री शुभम शिवहरे, नरेंद्र कोरी राजकरण मौर्य के नाम शामिल हैं।

दो चरणों में कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा विद्यार्थियों एवं आम प्रतिभागियों को डिजिटल रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से दिनांक 12 जनवरी से 30 जनवरी 2026 तथा 02 फरवरी से 18 फरवरी 2026 तक दो चरणों में कंप्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के शैक्षणिक एवं कौशल विकास प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को एम.एस. ऑफिस, डिजिटल पेमेंट प्रणाली, साइबर सुरक्षा एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ह्र) जैसे समसामयिक एवं उपयोगी विषयों पर सैद्धांतिक तथा व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल युग की आवश्यकताओं के अनुरूप दक्ष बनाना, उनकी तकनीकी समझ को सुदृढ़ करना तथा उन्हें रोजगारोन्मुखी कौशल से लैस करना रहा। प्रशिक्षण सत्रों के दौरान विशेषज्ञों द्वारा डिजिटल लेन-देन की सुरक्षित प्रक्रियाओं, ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव, साइबर सुरक्षा के आवश्यक उपायों तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के मूल सिद्धांतों पर विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया।

जर्जर पाइपलाइन से गहराया जल संकट, दूषित आपूर्ति से बढ़ी चिंता

196 किमी पुराने नेटवर्क पर टिकी शहर की प्यास, अमृत 2.0 के बाद भी अधूरा सुधार, 110 किमी लाइन बदहाल

विजय मत, शहडोल

शहर की पेयजल व्यवस्था बदहाल स्थिति में है। करीब 196 किलोमीटर लंबी पुरानी पाइपलाइन के सहारे पूरे नगर में पानी की आपूर्ति की जा रही है। इनमें से केवल 36 किलोमीटर हिस्सा ही बदला गया है, जबकि शेष नेटवर्क लगभग तीन दशक पुराना और जर्जर हो चुका है। जगह-जगह लीकेज, जंग लगी पाइपें और कमजोर जोड़ अब आम समस्या बन गए हैं। कई वार्डों में नलों से गंदला, बदबूदार और मटमैला पानी आने की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। नागरिकों का आरोप है कि पाइपलाइन में दरारों के कारण बाहरी गंदा पानी अंदर मिल जाता है, जिससे पेयजल की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

सीवर लाइन से सटी पाइपें, संक्रमण का खतरा

स्थिति को और गंभीर बनाती है पाइपलाइन की गलत प्लानिंग। कई क्षेत्रों में पानी की लाइनें सीवर लाइन के बेहद करीब या समानांतर बिछी हुई हैं। लीकेज की स्थिति में सीवर का दूषित पानी पाइपलाइन में घुसने की आशंका बनी रहती है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि इससे जलजनित बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। अमृत 2.0 योजना के तहत आंशिक सुधार कार्य जरूर हुए, लेकिन पूरे वितरण तंत्र को बदलने की दिशा में ठोस प्रगति नहीं हो सकी। लगभग 110 किलोमीटर से अधिक पाइपलाइन अभी भी बदली जानी बाकी है।

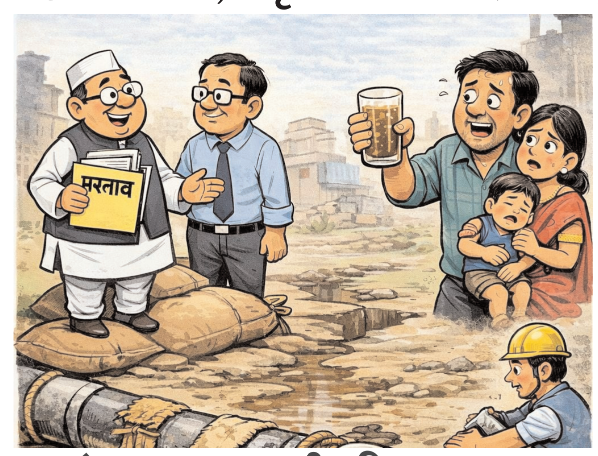

19 करोड़ का प्रस्ताव, स्वीकृति का इंतजार

नगर पालिका ने पेयजल व्यवस्था को सुधारने के लिए लगभग 19 करोड़ रुपये का विस्तृत प्रस्ताव शासन को भेजा है। प्रस्ताव में पुरानी पाइपलाइन हटाकर नई लाइन बिछाने, क्षमता बढ़ाने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने जैसे प्रावधान शामिल हैं। अधिकारियों का कहना है कि प्रस्ताव पर निर्णय होने के बाद चरणबद्ध तरीके से कार्य कराया जाएगा। फिलहाल स्वीकृति लंबित होने से व्यापक सुधार की प्रक्रिया शुरू नहीं हो पाई है। इस बीच शहरवासियों को पुरानी व्यवस्था पर ही निर्भर रहना पड़ रहा है।

85 लाख की मरम्मत योजना भी सीमित

तात्कालिक राहत के लिए 85 लाख रुपये का टेंडर जारी किया गया है। इस राशि से केवल उन स्थानों पर मरम्मत कार्य होगा जहां लीकेज अत्यधिक है। नगर पालिका के अनुसार, टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही काम शुरू किया जाएगा। हालांकि नागरिकों का कहना है कि बार-बार की अस्थायी मरम्मत से समस्या का स्थायी समाधान संभव नहीं है। कई क्षेत्रों में पाइपलाइन फटने से सड़कें धंस रही हैं और जलभराव की स्थिति बन रही है। शिकायतों के बावजूद सुधार कार्य में देरी से लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

बढ़ती शिकायतें, घटता भरोसा

शहर के अलग-अलग वार्डों से रोजाना लीकेज और दूषित पानी की शिकायतें दर्ज हो रही हैं। लोगों का कहना है कि नियमित सफाई और निगरानी की कमी के कारण समस्या गंभीर होती जा रही है। पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा पर अनिश्चितता से नागरिकों में असंतोष साफ दिखाई दे रहा है।

राज्य पात्रता परीक्षा के लिए जिला मुख्यालय में बनाए गए विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

विजय मत, शहडोल

राज्य लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य पात्रता परीक्षा का आयोजन जिला मुख्यालय के विभिन्न 13 परीक्षा केन्द्रों में मध्यान्ह 12 बजे से 03 बजे तक किया गया। इन परीक्षा केन्द्रों मे 4929 परीक्षार्थियों को शामिल होना था, जिनमें से 3871 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया तथा 1058 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा में उपस्थित परीक्षार्थियों का प्रतिशत 78.53 रहा।

परीक्षा केन्द्र शासकीय पालीटेक्निक में 300 परीक्षार्थियों में से 214 उपस्थित एवं 86 अनुपस्थित, इंदिरा गांधी कन्या महाविद्यालय में 600 परीक्षार्थियों में से 466उपस्थित एवं 134 अनुपस्थित, पीएमश्री रघुराज हा.से.स्कूल में 400 परीक्षार्थियों में से 325 उपस्थित एवं 75 अनुपस्थित, शा.कन्या.हा.से. स्कूल में 349परीक्षार्थियों में से 270 उपस्थित एवं 79 अनुपस्थित, शास.हा.से.स्कूल जय स्तम्भ चौक सोहागपुर में 300 परीक्षार्थियों में से 239 उपस्थित एवं 61 अनुपस्थित, शा. महारानी लक्ष्मीबाई हा.से.स्कूल में 399 परीक्षार्थियों में से 308 उपस्थित एवं 91 अनुपस्थित, शास.बालक हा.से. स्कूल जय स्तम्भ चौक सोहागपुर में 400 परीक्षार्थियों में से 316 उपस्थित एवं 84 अनुपस्थित, भारत माता हा.से. स्कूल में 500 परीक्षार्थियों में से 388 उपस्थित एवं 112 अनुपस्थित, जिला महिला समिति हा.से. स्कूल में 200 परीक्षार्थियों में से 143 उपस्थित एवं 57 अनुपस्थित, सेन्ट्रल अकादमी हा.से.स्कूल में 550 परीक्षार्थियों में से 436 उपस्थित एवं 114 अनुपस्थित, गुड सेफर्ड कान्वेन्ट स्कूल में 400 परीक्षार्थियों में से 330 उपस्थित एवं 70 अनुपस्थित, पं.शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय पुराना कैम्पस में 300 परीक्षार्थियों में से 248 उपस्थित एवं 52 अनुपस्थित, सेंट जूटस हा.से.स्कूल में 231 परीक्षार्थियों में से 188 उपस्थित एवं 43 अनुपस्थित रहे।

पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक संदेश के साथ मनाया जाएगा गौकाष्ठ आधारित होलिका दहन उत्सव

विजय मत, शहडोल

मध्य प्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग मंत्रालय के निर्देशों के परिपालन में इस वर्ष शहडोल जिले में होली का पर्व पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक संदेश के साथ मनाया जाएगा। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों तथा नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को गौकाष्ठ एवं उपलों से बनी हुई होली जलाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए अभियान चलाने तथा उनके फोटोग्राफ्स एवं वीडियो बनाने के निर्देश दिए हैं।

लकड़ी के स्थान पर गौकाष्ठ का उपयोग

शासन के निर्देशानुसार, पर्यावरण संरक्षण व वनों की कटाई से बचाने के लिए इस बार होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर गौकाष्ठ (गोबर से निर्मित लकड़ी) और उपलों के उपयोग को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए जन-सहभागिता और सामाजिक संगठनों के माध्यम से व्यापक स्तर पर गौकाष्ठ की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

प्राकृतिक रंगों और भाईचारे का संदेश

जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जल संरक्षण के दृष्टिगत प्राकृतिक और हर्बल रंगों से होली खेलें। पशु-पक्षियों पर रंग न डालने का संकल्प लें। हुड़दंग और नशे से दूर रहकर आपसी भाईचारे और सद्भाव के साथ उत्सव मनाएं।

होली पर्व को दृष्टिगत रखते हुए नगर के खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच

विजय मत, शहडोल

होली त्यौहार के मद्देनज़र रखते हुए कलेक्टर डॉ. केदार सिंह द्वारा खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को सतत रूप से सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। जिले में संचालित मिष्ठान दुकानों एवं खाद्य प्रतिष्ठानों की सघन जांच एवं निरीक्षण की कार्रवाई की जा रही है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री आरके सोनी द्वारा शहडोल एवं बुढार नगर क्षेत्र में विभिन्न प्रतिष्ठानों में औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बुढार स्थित गणेश मिष्ठान, श्याम मिष्ठान, अंकुर स्वीट्स, जोधपुर स्वीट्स तथा आदर्श भोग भंडार की जांच की गई। वहीं शहडोल नगर में शिव डेरी, गोकुल डेयरी, राजस्थान स्वीट्स, बबलू डेरी, पंजाब डेरी, कोलकाता डेरी सहित अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया तथा विभिन्न मिष्ठानों एवं खाद्य सामग्रियों के सैम्पल लेकर जांच हेतु लैब को भेजे गए। जांच के समय अधिकारियों द्वारा प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई, खाद्य सामग्री की गुणवत्ता, भंडारण व्यवस्था एवं निर्माण प्रक्रिया का अवलोकन किया गया। सभी संचालकों को निर्देशित किया गया कि वे स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें तथा उच्च गुणवत्ता की खाद्य सामग्री का निर्माण एवं विक्रय सुनिश्चित करें, ताकि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से किसी प्रकार का समझौता न हो।

खाद्य सुरक्षा की दृष्टि से निरीक्षण के दौरान रसगुल्ला, कलाकंद, खोवा सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के सैंपल जांच हेतु लिए गए हैं। संबंधित सैंपल खाद्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है, तो संबंधित खाद्य प्रतिष्ठान के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि होली पर्व के दौरान आम नागरिकों को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराना प्राथमिकता है, इसके लिए आगे भी निरंतर निरीक्षण की कार्रवाई जारी रहेगी।

गांधी चौक से इंदिरा चौक तक अतिक्रमण का जाल

चौड़ी सड़क संकरी क्यों? दुकानदारों के पक्के कब्जों ने बिगाड़ी स्थिति

विजय मत, शहडोल

शहडोल के हृदय स्थल गांधी चौक से लेकर इंदिरा चौक तक लगभग एक किलोमीटर लंबी सड़क शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में से एक है। यह सड़क डिवाइडर के दोनों ओर इतनी चौड़ी है कि एक साथ दो-दो बड़े ट्रक आसानी से गुजर सकते हैं, लेकिन जमीन पर तस्वीर इसके बिल्कुल उलट है। दुकानदारों द्वारा किए गए अवैध अतिक्रमण ने इस चौड़ी सड़क को संकीर्ण गलियारे में बदल दिया है, जहां रोजाना यात्री घंटों जाम में फंसे रहते हैं।

आहूजा मार्केट हो, एचडीएफसी बैंक के सामने का इलाका हो या फिर महादेव दुकान से आगे का क्षेत्र हर तरफ दुकानदारों ने सड़क की हद में पक्के फुटपाथ बना लिए हैं। 12 से 15 फीट लंबे इन प्लेटफॉर्मों को पेवर ब्लॉक से सजाया गया है, जो असल में फुटपाथ नहीं बल्कि सड़क पर किया गया स्थायी कब्जा है। ये प्लेटफॉर्म इतने ढलानयुक्त बने हैं कि ग्राहक वहां वाहन खड़ा ही नहीं कर पाते और सड़क ही पार्किंग बन जाती है।

पार्किंग के नाम पर शून्य व्यवस्था, सड़क बनी वाहन स्टैंड

बता दें कि ढलान वाले फुटपाथों पर वाहन खड़े न हो पाने के कारण उपभोक्ता सीधे सड़क पर गाड़ियां लगा देते हैं। नतीजतन सुबह से देर रात तक दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार बनी रहती है। कई बार स्थिति ऐसी हो जाती है कि केवल छोटे वाहन किसी तरह निकल पाते हैं, जबकि बड़े वाहनों की आवाजाही लगभग बंद हो जाती है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगरपालिका प्रशासन केवल औपचारिकता निभाता है। इक्का-दुक्का ठेले हटाकर कार्रवाई पूरी मान ली जाती है, जबकि पक्के निर्माणों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती। गुरुनानक चौक से अहिंसा चौक तक भी यही स्थिति है, जहां अतिक्रमण मानो किसी की सरपरस्ती में फल-फूल रहा है।

इंदिरा चौक के आसपास, विशेषकर महादेव दुकान के सामने, दिनभर वाहनों का जमावड़ा लगा रहता है। रोज होने वाले जाम से परेशान नागरिकों का सब्र अब टूटने लगा है। लोगों का कहना है कि जब दुकानदार अपने आउटलेट की साज-सज्जा पर लाखों-करोड़ों खर्च कर सकते हैं, तो ग्राहकों के लिए पार्किंग क्यों नहीं बनवाते?

नागरिकों की मांग है कि जिस दुकान के सामने वाहनों का

कार्यशाला

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 की जिला कार्यशाला संपन्न

भाजपा राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाला वैचारिक संगठन : सिरोठिया

विजय मत, शहडोल

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महा अभियान 2026 के अंतर्गत जिला स्तरीय कार्यशाला का शहडोल संभागीय मुख्यालय के कमला नगर स्थित 'अटल निलय' जिला भाजपा कार्यालय में एकदिवसीय कार्यशाला हुई संपन्न।

कार्यशाला का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉ.श्यामाप्रसाद मुखर्जी के चित्रों पर माल्यार्पण एवं वंदे मातरम् के साथ किया गया। प्रशिक्षण कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में संभाग प्रभारी गौरव सिरोठिया एवं जिला प्रभारी अभिलाष पांडे ने कार्यकर्ताओं संबोधित किया कार्यशाला की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष ने की इस दौरान मंचासीन तिथियां में संभाग प्रभारी गौरव सिरोठिया, जिला प्रभारी अभिलाष पांडे, जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी, ब्योहारी विधायक शरद कोल पूर्व जिला अध्यक्ष अनुपम अनुराग अवस्थी कमल प्रताप सिंह, पूर्व विधायक श्रीमती प्रमिला सिंह, जिला उपाध्यक्ष राकेश पांडे,संतोष लोहानी, जिला महामंत्री अमित मिश्रा,पुष्पेंद्र पटेल, मनोज सिंह आर्मो, श्रीमती निभा गुप्ता,मंचस्थ रहें।

भाजपा विश्व का सबसे बड़ा संगठन

संभाग प्रभारी श्री गौरव सिरोठिया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का संगठन केवल चुनावी गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य करने वाला विचार आधारित संगठन है। संगठन के निरंतर प्रशिक्षण अनुशासन और कार्यकर्ताओं की निष्ठा का परिणाम है की आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक संगठन बन चुकी है। प्रशिक्षण को संगठन की मजबूती का आधार बताते हुए उन्होंने कहा कि मंडल से लेकर बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षित होना आवश्यक है, ताकि वे विचारधारा एवं सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी रूप से जन-जन तक पहुंचा सकें। प्रशिक्षण के माध्यम से नई और पुरानी पीढ़ी के बीच वैचारिक संवाद एवं अनुभवों का आदान-प्रदान होता है, जिससे संगठन की कार्यपद्धति और अधिक मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि हमारा दल व्यक्ति, नेता आधारित नहीं है विचार आधारित पार्टी होने के कारण आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है।

उन्होंने प्रशिक्षण महाभियान को कार्यकर्ताओं के वैचारिक, संगठनात्मक और व्यवहारिक विकास का प्रभावी माध्यम बताते हुए कहा कि प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही बूथ स्तर पर पार्टी की योजनाओं, नीतियों और उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने में सक्षम होता है।

हमारे लिए राजनीति लोक कल्याण है: अभिलाष पाण्डेय

भाजपा जिला संगठन प्रभारी अभिलाष पांडे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा की मंडल अध्यक्षगणों को मंडल स्तरीय कार्यशालाओं की योजना, समय-निर्धारण एवं व्यवस्थाओं पर शीघ्र कार्य प्रारंभ कर देना चाहिए। भाजपा द्वारा व्यक्ति का निर्माण और व्यक्ति से संगठन का निर्माण और संगठन से राष्ट्र का निर्माण इस प्रशिक्षण वर्ग का उद्देश्य है। इस वर्ग में हमारी विचारधारा, हमारी कार्य पद्धति, हमारी पार्टी का इतिहास और विकास, शासन की योजनाएं, मन की बात, सोशल मीडिया नई तकनीक आदि विषयों पर प्रदेश एंव जिले के वक्ताओं द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। राजनीति हमारे लिए लोक कल्याण के लिए है। हम जिस पथ पर है उसकी कार्य पद्धति याद होना चाहिए।

उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद के सिद्धांत को कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा स्रोत बताते हुए कहा कि सेवा, समर्पण और समन्वय ही संगठन की वास्तविक शक्ति हैं।

कार्यशाला में नवाचार की परिकल्पना

कार्यशाला में प्रशिक्षण में नवाचार की परिकल्पना, प्रशिक्षण का ढांचा जिसमें डिजिटल उपकरण एवं ए.आई. , प्रशिक्षण सत्र में संवाद, कैस स्टडी, विषय में विशेषज्ञों की भागीदारी एवं क्षेत्रीय अनुभव एवं प्रवास पर विस्तृत जानकारी दी। विधायकगण,जिलाअध्यक्ष,जिला,पंचायत अध्यक्ष,नगर पालिका अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, जिला पदाधिकारीगण, विभिन्न प्रकोष्ठों के प्रदेश संयोजक एवं सह संयोजक जिले मे निवासरत एव जिला संयोजक,जिला टोली दीनदयाल उपाध्याय जी प्रशिक्षण वर्ग,सातों मोर्चों के अध्यक्ष एवं महामंत्री,मंडल अध्यक्ष मंडल महामंत्री,मंडल प्रभारी,दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण वर्ग की मंडल टोली ,जिला एव मंडल प्रशिक्षण हेतु नियुक्त वक्त सभी अपेक्षित पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता गण प्रशिक्षण कार्यशाला में मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सडक हादसे मे पति पत्नि सहित बच्ची घायल

उमरिया। चंदिया थाना अंतर्गत एन एच-43 स्थित बांका चौराहा के पास शनिवार शाम करीब 5 बजे एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें मोटरसाइकिल सवार पति-पत्नी और उनकी डेढ़ साल की बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार ग्राम भुंडी (तहसील चंदिया) निवासी राजीव कोल पिता इंद्रभान कोल अपनी पत्नी सरस्वती कोल और डेढ़ वर्षीय पुत्री त्रिसा कोल के साथ मोटरसाइकिल से ससुराल ग्राम करेला (जिला कटनी) से घर लौट रहे थे। जैसे ही वे बांका मोड़ (चंदिया) के पास पहुंचे, कटनी की ओर से आ रही 407 मालवाहक वाहन क्रमांक सीजी 10-एएफ-2825 ने बाइक को बगल से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में राजीव और उनकी पत्नी सरस्वती कोल गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि डेढ़ साल की बच्ची त्रिसा के सिर में गंभीर चोट आई है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची एम्बुलेंस से तीनों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदिया लाया गया। यहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर सभी को जिला अस्पताल उमरिया रेफर कर दिया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई।

टी-20 वर्ल्ड कप-साउथ अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराया,ग्रुप-1 के टॉप पर फिनिश किया

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ अफ्रीका ने टी-20 वर्ल्ड कप में अपने आखिरी सुपर-8 मैच में जिम्बाब्वे को 5 विकेट से हराया। टीम ने ग्रुप-1 के पॉइंट्स टेबल में नंबर-1 पर रहते हुए फिनिश किया है। टीम 4 मार्च को कोलकाता में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला सेमीफाइनल मैच खेलेगी।

रविवार के पहले मैच में नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में जिम्बाब्वे ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। जिम्बाब्वे की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 153 रन बनाए। जवाब में साउथ अफ्रीका ने 17.5 ओवर में 5 विकेट पर टारगेट चेज कर लिया है।

डेवाल्ड ब्रेविस ने सबसे ज्यादा 42 रन बनाए। सिकंदर रजा ने 3 विकेट झटके। उन्होंने 73 रन की पारी भी खेली। रजा को प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया। मैच का स्कोरबोर्ड

जिम्बाब्वे: ब्रायन बेनेट, तादिवानाशे मरुमनी, डायन मायर्स, सिकंदर रजा (कप्तान), रायन बर्ल, टोनी मुनयोंगा, क्लाइव मदांडे, ब्रैड इवांस, वेलिंगटन मसाकाद्जा, ग्रीम क्रेमर और ब्लेसिंग मुजरबानी।

साउथ अफ्रीका: ऐडन मार्करम (कप्तान), क्विंटन डी कॉक (विकेटकीपर), रायन रिकेल्टन, डेवाल्ड ब्रेविस, डेविड मिलर, ट्रिस्टन स्टब्स, जॉर्ज लिंडे, कॉर्बिन बॉश, एनरिक नॉर्त्या, क्वेना मफाका और लुंगी एनगिडी।

क्या आप खुद को क्रिकेट के सुपर फैन मानते हैं? पूरे ङ्ग20 वर्ल्ड कप टूर्नामेंट के दौरान दैनिक भास्कर के खास गेम 'स्क्क्षक्र ओवर' में रोज क्रिकेट से जुड़े 6 सवाल आपका क्रिकेट ज्ञान परखेंगे। जितनी जल्दी सही जवाब देंगे उतने ज्यादा रन बनेंगे। जितने ज्यादा रन बनेंगे, लीडरबोर्ड में उतना ही ऊपर आएंगे। तो रोज खेलिए और टूर्नामेंट का टॉप स्कोरर बनिए।

पाक कप्तान बोले, कोच हेसन के साथ खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेंगे

पालीकेल्ली । पाकिस्तान रि केट टीम अपने तीसरे सुपर-8 मैच में जीत के बाद भी कम रन रेट के कारण आईसीसी टी20 विश्व कप से बाहर हो गयी। पाक टीम के पास अधिक अंतर से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाने का अवसर था पर वह उसे भुना नहीं पायी। इससे कप्तान सलमान अली आगा खासे नाराज हैं। उन्होंने टीम की कम अंतर से जीत के लिए गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने ये भी कहा कि टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी वह और माइक हेसन अपने ऊपर लेते हैं। पाक ने श्रीलंका के खिलाफ मैच में 20 ओवर में 8 विकेट पर 212 रन बनाये और पांच रन से जीत हासिल की पर उन्हें श्रीलंका को 147 या उससे कम रन पर आउट करना जरुरी था। इसमें असफल होने से टीम का सेमीफाइनल का सपना टूट गया। आगा ने माना है कि टीम ने सभी क्षेत्रा में खराब प्रदर्शन किया। उन्होंने मैच के बाद कहा, "अगर मैं पूरे टूर्नामेंट को देखूं, तो मुझे लगता है कि हमने औसत से नीचे रि केट खेली. हम पूरे टूर्नामेंट में अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाये। अगर साहिबजादा फरहान को ज्यादा साथ मिलता, तो बेहतर होता। मध्यर म पिछले कुछ सालों से रनों के मामले में कमजोर बना हुआ है, और हमें उस पर ध्यान देना होगा।"

आईपीएल 2026 सत्र के लिए नई जर्सी पेश की

चेन्नई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने इस माह के अंत में शुरु हो रहे आईपीएल 2026 सत्र के लिए अपनी नई जर्सी पेश की है। फ्रेंचाइज़ी ने इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर जारी किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के अलावा सरफराज खान और आयुष म्हात्रे एक्टिंग करते हुए नजर आते हैं! इसके बाद गायकवाड़ एक बैग से पीली जर्सी निकालते हैं। इस जर्सी के पीछे धोनी का नाम लिखा होता है और उनका पसंदीदा नंबर 7 भी छपा हुआ रहता है। इसके बाद एमएस धोनी की एंट्री धमाकेदार अंदाज में होती है। वीडियो में धोनी पहले बाइक चलाते हुए नजर आते हैं। फिर उन्हें कार में देखा जाता है। अब सीएसके के प्रशंसक इस वीडियो को खासा पसंद कर रहे हैं।

आईपीएल के पिछले सत्र में सीएसके का प्रदर्शन बेहद खराब रहा था और टीम 14 में से केवल 4 मैच पायी थी। इससे वह अंक तालिका में सबसे निचले स्थान पर रही थी। इस बार टीम का लक्ष्य बेहतरर प्रदर्शन रहेगा।

हीली ने विदायी मैच में लगाया शतक भारतीय टीम ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया

मुम्बई,एजेंसी

होबार्ट । ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की कप्तान एलिसा हीली ने अपने करियर के अंतिम मैच में शतकीय पारी खेलकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के इस मैच में हीली ने 79 गेंदों पर शतक लगाया। वहीं वहीं 98 गेंदों पर 158 रन का बनाकर वह पेवेलियन लौटी।अपनी पारी में हिली ने 27 चौके और दो छक्के लगाये। हीली के विदायी मैच में शतक को देखकर उनके पति मिचेल स्टार्क भी बेहद खुश नजर आये। हीली के शतक पूरा करते ही स्टार्क उत्साहित नजर आये।

भारतीय टीम ने इस तीसरे मैच में टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया है। भारतीय टीम जब मैदान पर उतरी तो उन्होंने दो लाइन में खड़े होकर हीली को गार्ड ऑफ ऑनर दिया। भारतीय टीम के इस रवैये की प्रशंसा हो रही है। हीली ने जनवरी में ही सभी प्रारुपों से संन्यास की घोषणा कर दी थी। एकदिवसीय के बाद हीली 6 मार्च को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाले दिन-रात के एकमात्र टेस्ट के दौरान अंतिम बार मैदान पर उतरेंगी।

गौरतल है कि हीली ने फरवरी 2010 में 19 साल की उम्र में ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था और एकदिवसीय ढ्ढ में 3500 से ज्यादा रन बनाए हैं। टी20ढ्ढ में उनके नाम 25.45 की औसत से 3054 रन दर्ज है।

कादिर ने संन्यास से वापसी की घोषणा की

लाहौर । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के टी20 विश्वकप 2026 से बाहर होते ही टीम के स्पिनर उस्मान कादिर ने टीम को सेवाएं देने के लिए संन्यास छोड़कर मैदान में वापसी की घोषणा की है। कादिर ने साल 2024 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी। वहीं अब उन्होंने कहा है कि वह चयन के लिए उपलब्ध हैं। ।कादिर ने संन्यास से वापसी की घोषणा सोशल मीडिया पर भी साझा की है।

इस स्पिनर ने सोशम मीडिया में लिखा, ÷ऑस्ट्रेलिया में लीग क्रिकेट में ससफल समय के बाद, मैंने खेल में वापसी का फैसला किया है। ऑस्ट्रेलिया में खेलने का मेरा समय बहुत बदलाव लाने वाला था। 41 विकेट लेने के बाद मुझे लगा कि अभी भी मैं विश्वस्तर पर योगदान दे सकता हूं।

श्रीलंकाई कप्तान ने विश्वकप से बाहर होने पर प्रशंसकों से माफी मांगी

कोलंबो, एजेंसी

श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के कप्तान दासुना शनाका ने टी20 विश्वकप से बाहर होने पर प्रशंसकों से माफी मांगी है। साथ ही कहा कि भाग्य के साथ नहीं देने के कारण वह अपनी धरती पर खेले जा रहे इस टूर्नामेंट में असफल रहे। शनाका ने कहा कि वे पाकिस्तान के खिलाफ जीत सकते थे पर अंतिम क्षणों में विफल रहे। वह टीम के प्रदर्शन से भी निराश हैं, क्योंकि सात मैच इस टूर्नामेंट में श्रीलंका की टीम ने अपनी धरती पर खेले, जिनमें से वह केवल तीन ही जीत पायी। तीन मैच इसमें सुपर 8 के भी शामिल थे, जिसके कारण ही टीम सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पायी। शनाका ने मैच के बाद कहा, बिल्कुल यह बहुत करीबी मैच था। मैं इसे फिनिश कर सकता था पर ऐसा नहीं हो पाया। पाक गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने अच्छी गेंदबाजी की। श्रीलंका की टीम के अभ्यान को लेकर कहा, यह हमारे लिए कठिन रहा है। हां, हमें कुछ चोटें आईं। हमने दर्शकों को निराश किया। मैं सभी प्रशंसकों से माफी मांगना चाहता हूं, क्योंकि,

आप जानते हैं हम कई खिलाड़ियों के फिट नहीं होने से हारे। भविष्य में, अगर कोई चोट नहीं लगी, तो मुझे लगता है कि यह टीम बहुत अच्छा करेगी।

हमें वानिंदू हसरंगा और पथिराना की कहा, उनकी कमी खली। विश्व कप के समय, आप जानते हैं, हमें अपने खिलाड़ियों की यहां जरूरत होती है और यह हमारी ताकत है। हमें उनकी शीघ्र वापसी की उम्मीद है। श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए ये अच्छा है।

वहीं आलोचकों के भड़कने पर शनाका ने कहा, कभी-कभी खिलाड़ी होने के नाते, हम भी दबाव महसूस करते हैं। ऐसे में यह मेरी गलती थी। मैं सभी प्रशंसकों को निराश करने के लिए माफी चाहता था। मैं वादा करूंगा कि मैं ऐसा दोबारा न करूं। उन्होंने पवन रथनायके के प्रदर्शन की भी प्रशंसा जिन्होंने सभी का ध्यान खींचा।

हमें उनकी शीघ्र वापसी की उम्मीद है

विश्व कप के समय, आप जानते हैं, हमें अपने खिलाड़ियों की यहां जरूरत होती है और यह हमारी ताकत है। हमें उनकी शीघ्र वापसी की उम्मीद है। श्रीलंकाई रि केट के लिए ये अच्छा है।
वहीं आलोचकों के भड़कने पर शनाका ने कहा, कभी-कभी खिलाड़ी होने के नाते, हम भी दबाव महसूस करते हैं। ऐसे में यह मेरी गलती थी। मैं सभी प्रशंसकों को निराश करने के लिए माफी चाहता था। मैं वादा करूंगा कि मैं ऐसा दोबारा न करूं। उन्होंने पवन रथनायके के प्रदर्शन की भी प्रशंसा जिन्होंने सभी का ध्यान खींचा। कप्तान ने कहा, वह लगातार अच्छा कर रहा है और ₹ ीज का बहुत अच्छा इस्तेमाल कर रहा है। श्रीलंकाई क्रिकेट के लिए ये सकारात्मक संकेत है। इसके अलावा वेलालगे ने भी अच्छा खेला है। उम्मीद है, उनका भविष्य उज्ज्वल होगा। इसके बाद प्रशंसकों के लिए एक संदेश देते हुए कप्तान ने कहा, "पहले ही बहुत-बहुत धन्यवाद। सबको समर्थन करते हुए देखकर हमें मैच जीतने की उम्मीद थी।

रुस के मेदवेदेव ने दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप जीती

मुम्बई,एजेंसी

दुबई । रुस के दानिल मेदवेदेव ने दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप का पुरुष एकल खिताब जीता है। मेदवेदेव को खिताबी मुकाबले में बिना किसी संघर्ष के ये खिताब मिल गया क्योंकि विरोधी डच खिलाड़ी टैलोन ग्रीक्सपूर बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण फाइनल से हट गए थे। ग्रीक्सपूर को आंद्रेई रुब्लेव के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में यह चोट लगी थी। यह टाइटल मेदवेदेव का 23वां टूर-लेवल खिताब है और जनवरी में ब्रिस्बेन में जीतने के बाद 2026 सत्र का उनका दूसरा खिताब है। यह पहली बार भी है जब इस खिलाड़ी ने एक ही इवेंट दो बार जीता है, इससे पहले उन्होंने साल 2023 में दुबई में जीत हासिल की थी। एटीपी रैंकिंग में 11 वें नंबर के मेदवेदेव नंबर 10 पर रहे अलेक्जेंडर बुब्लिक से केवल 45 अंक पीछे हैं, वह वहीं एक ही इवेंट दो बार जीतने के बारे में पूछे जाने पर मेदवेदेव ने कहा, यही इसकी खास बात है।

एआई बदलाव लाएगा, रोजगार पूरी तरह खत्म नहीं होंगे, नई नौकरियों पैदा होंगी

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेजान के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के कारण बड़े पैमाने पर नौकरियां खत्म होने की आशंका को जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। एक मीडिया इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि एआई पूरी तरह रोजगार समाप्त नहीं करेगा, बल्कि काम करने के तरीके में बदलाव लाएगा। उन्होंने स्वीकार किया कि पिछले 20-30 वर्षों में जिन कार्यों में ज्यादा मानव श्रम लगा, भविष्य में उनमें कम कर्मचारियों की आवश्यकता हो सकती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि नौकरियां पूरी तरह खत्म हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि हर बड़ी तकनीकी क्रांति की तरह, एआई भी कुछ कामों को बदलकर नई नौकरियां पैदा करेगा। पिछले 20-30 सालों में जिन कामों के लिए हमने बड़ी संख्या में लोगों को लगाया, भविष्य में उतने लोगों की जरूरत नहीं होगी। लेकिन नई नौकरियां भी पैदा होंगी। मार्गन स्टैनली की एक हालिया रिपोर्ट में भी कहा गया है कि एआई का दीर्घकालिक प्रभाव उतना गंभीर नहीं हो सकता जितना लोग सोच रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि कुछ भूमिकाएं ऑटोमेट हो सकती हैं, लेकिन ज्यादातर कर्मचारी स्थायी रूप से बेरोजगार नहीं होंगे। वे नई तरह की नौकरियों में शिफ्ट होंगे, जिनमें से कई अभी अस्तित्व में भी नहीं हैं। रिपोर्ट में पिछले 150 वर्षों की तकनीकी क्रांतियों–जैसे बिजली, मशीनीकृत खेती, कंप्यूटर और इंटरनेट–का उदाहरण दिया गया है। इन बदलावों ने उद्योगों और काम करने के तरीकों में बदलाव लाया, लेकिन मानव श्रम को खत्म नहीं किया।

जेवर में एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहालिंग (एमआरओ)सुविधा विकसित करने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे के दौरान सिंगापुर की एसआईए इंजीनियरिंग कंपनी ने इस सुविधा में निवेश की इच्छा जताई। योजना के तहत 1365 हेक्टेयर भूमि पर एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस के साथ-साथ एविएशन उद्योग की स्थापना होगी, जिससे बोइंग और एयरबस जैसे विमान और उनके पुर्जों का निर्माण भी संभव हो सकेगा।

सिंगापुर और जापान दौरे के दौरान यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (वायईआईडीए) ने कई एमओयू किए। जापान में भी जापानी कंपनियों ने वायईआईडीए क्षेत्र में निवेश में रुचि दिखाई। क्यबोटा, होंडा, मिंडा स्पार्क, डेंसो, डेब्रू, सुजुकी मोटर्स जैसी कंपनियों के प्रतिनिधि निवेश और औद्योगिक सहयोग के लिए क्षेत्र का दौरा करेंगे।

वीओ चिदंबरनार बंदरगाह में 15,000 करोड़ निवेश करेगा

तूतीकोरिन । वीओ चिदंबरनार (वीओसी) बंदरगाह, जो तमिलनाडु के तूतीकोरिन में स्थित है, अपनी आउटर हार्बर परियोजना के लिए 15,000 करोड़ रुपये का निवेश करेगा। यह निवेश बंदरगाह की मौजूदा ढांचा उन्नयन और नई तकनीक में किए गए 1,500 करोड़ रुपये के निवेश से अलग है। परियोजना का लक्ष्य बंदरगाह को दक्षिण भारत का प्रमुख ट्रांसशिपमेंट केंद्र बनाना और श्रीलंका, सिंगापुर और इंडोनेशिया जैसे अंतरराष्ट्रीय केंद्रों से प्रतिस्पर्धा करना है। वर्तमान में बंदरगाह की वार्षिक माल ढुलाई क्षमता 8.2 करोड़ टन है। आउटर हार्बर परियोजना के तहत दो चरणों में 2027 और 2030 तक क्षमता में 40 लाख टन की वृद्धि होगी। योजना के अनुसार, 18 मीटर गहराई वाले दो नए बर्थ विकसित किए जाएंगे, जिन पर 2.5 लाख डीवीटी तक के बड़े माल ढुलाई जहाज ठहर सकेंगे।

शेयर बाजार में अगले हफ्ते दो कंपनियों के निवेशकों की लग सकती है लॉटरी

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार में अगले हफ्ते निवेशकों के लिए खुशखबरी है। 6 मार्च को दो प्रमुख कंपनियां अपने शेयरहोल्डर्स को बोनस शेयर जारी करेंगी। ये कंपनियां हैं एनकेपी फाइनेंस और सिल्वर टच टेक। बोनस शेयर आम तौर पर निवेशकों को रिवॉर्ड देने और शेयर की लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए जारी किए जाते हैं। दोनों कंपनियों ने अपनी रिकॉर्ड और एक्स-डेट 6 मार्च तय कर दी है।

फाइनेंस सेक्टर की कंपनी एलकेपी फाइनेंस ने 4ः1 के अनुपात में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। इसका मतलब है कि अगर निवेशक के पास 1 शेयर है, तो उसे 4 अतिरिक्त शेयर मुफ्त मिलेंगे। इस तरह कुल शेयरों की संख्या पांच हो जाएगी। यह कदम निवेशकों के लिए लंबे समय में लाभदायक साबित हो सकता है क्योंकि शेयरों की संख्या बढ़ने से

भविष्य में मिलने वाले डिविडेंड का पैसा भी बढ़ता है। आईटी सेक्टर की सिल्वर टच ने भी 1ः1 के अनुपात में बोनस शेयर देने की घोषणा की है।

यानी अगर किसी निवेशक के पास 1 शेयर है, तो उसे 1 और मुफ्त में मिलेगा। इसके लिए भी रिकॉर्ड और एक्स-डेट 6 मार्च निर्धारित किया गया है। मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि बोनस शेयर से शेयर की कीमत में समायोजन होता है, लेकिन लंबी अवधि में यह निवेशकों के लिए फायदे का सौदा है। यदि कोई निवेशक इन बोनस शेयरों का लाभ उठाना चाहता है, तो उसे 6 मार्च से पहले इन कंपनियों के शेयर अपने पोर्टफोलियो में रखने होंगे। बाजार में इस सप्ताह इन दोनों कंपनियों के शेयरों में हलचल देखने को मिलेगी, क्योंकि निवेशक इस मौके का फायदा उठाने के लिए खरीदारी करेंगे।

होरमुज़ जलडमरूमध्य में तनाव चरम पर, वैश्वि तेल आपूर्ति पर खतरा

नई दिल्ली । अमेरिका और इज़राइल द्वारा ईरान पर हवाई हमलों और इसके जवाब में ईरान की प्रतिक्रिया ने होरमुज़ जलडमरूमध्य में तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है। यह मार्ग खाड़ी देशों और भारत जैसे बड़े तेल आयातक देशों के लिए बेहद संवेदनशील है।

आंशिक नाकाबंदी ने वैश्विक तेल बाजार में हलचल मचा दी है, और कई टैंकरों ने रास्ता बदल दिया या लंगर डाल दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार बड़ी तेल कंपनियों और ट्रेडिंग हाउसेज ने सुरक्षा कारणों होरमुज़ मार्ग से कच्चा तेल, ईंधन और स्न्हृत्र की ढुलाई रोक दी है। शिपिंग डेटा के मुताबिक, कम से कम 11 बड़े एनएनजी टैंकरों ने अपनी गति धीमी कर दी या वापस मुड़ गए। ओमान के तट के पास तेल टैंकरों की कतारें लग गई हैं, जिससे सप्लाई चेन बाधित हो रही है। भारत के प्रमुख आपूर्तिकर्ता देश जैसे इराक, सऊदी अरब, यूएई और कुवैत इस मार्ग पर निर्भर हैं। अगर बाधा लंबी खिंचती है, तो भारत की रिफाइनरियों में कच्चे तेल का स्टॉक कम हो जाएगा। इससे आयात लागत बढ़ सकती है और लंबे समय में आम जनता की जेब और व्यापार घाटा प्रभावित हो सकता है।

भारतीय बाजार में बढ़ा जोखिम

मुंबई । इजरायल और अमेरिका ने संयुक्त रूप से ईरान के कई शहरों पर सैन्य हमला किया। तेहरान में तबाही के बाद पूरे मिडिल ईस्ट में हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। इस अचानक हुए हमले के चलते वैश्विक बाजारों में घबराहट फैल सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत के लिए सबसे बड़ा जोखिम क्रूड ऑयल की बढ़ती कीमतें हैं। मिडिल ईस्ट तनाव के चलते सप्लाई प्रभावित हो सकती है, जिससे तेल महंगा होगा। महंगा क्रूड आयात भारत की अर्थव्यवस्था पर दबाव डाल सकता है, महंगाई बढ़ सकती है और पेट्रोल-डीजल की कीमतें उछाल सकती हैं।

रिपोर्ट - सरकार से सोयाबीन की तरह एमएसपी अंतर का भुगतान किसानों को करने की मांग

सोयाबीन और मूंगफली तेल के दाम सुधरे, पाम तेल में गिरावट जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

सरसों की नई फसल की आवक बढ़ने से भाव दबाव में है। कुछ विशेषज्ञों का अनुमान है कि उत्पादन इस साल बढ़ेगा। सरकार से आग्रह किया गया है कि सोयाबीन की तरह एमएसपी अंतर का भुगतान किसानों को किया जाए। इससे सरसों का भाव टूटने और कारोबारियों की मनमानी रोकने में मदद मिलेगी। सरकार को 20-25 लाख टन स्टॉक बनाने पर विचार करना चाहिए। सोयाबीन तेल-तिलहन और मूंगफली तेल-तिलहन में कम आवक और अच्छी मांग के कारण दाम में सुधार हुआ।

बिनौला तेल के दाम भी सप्ताहांत में सुधरे। वहीं मलेशिया एक्सचेंज में गिरावट और पाम-पाल्मोलिन तेल की कम कीमत बनी रही। सरकार ने आयात शुल्क बढ़ाकर कच्चा पामतेल 26 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन 124 रुपये प्रति क्विंटल और सोयाबीन डीगम 15 रुपये प्रति क्विंटल। यह घरेलू तेल बाजार को स्थिर करने का प्रयास है। ईरान पर हमले की खबर के बाद आपूर्ति चिंताओं के कारण भी सोयाबीन तेल-तिलहन में तेजी को मदद मिली। उन्होंने कहा कि उपलब्धता में कमी की तथा अच्छी गुणवत्ता के मूंगफली दाने और खाद्य तेल की मांग होने के कारण बीते सप्ताह मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में भी सुधार देखा गया।

सूत्रों ने कहा कि बीते सप्ताह मलेशिया एक्सचेंज में अधिकतम गिरावट का रुख रहने के बीच पाम-पामोलीन तेल के दाम में गिरावट देखी गई। वैसे ईरान पर हुए हमले के

बाद आपूर्ति की स्थिति तथा इस तेल के दाम के बारे में अंदाजा सोमवार के कामकाज से मिल सकता है। उन्होंने कहा कि कम आवक और मांग होने के कारण बीते सप्ताह बिनौला तेल के दाम में भी सुधार आया। मंडियों में कपास नरमा का दाम एमएसपी से 10-12 प्रतिशत नीचे है इस वजह से इसकी आवक प्रभावित है।

लोक संस्कृति का सम्मान
विकास का अभिनव अभियान
समृद्ध किसान समृद्ध प्रदेश
किसान कल्याण वर्ष 2026
कृषि कैबिनेट
अध्यक्षता
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
2 मार्च, 2026 | पूर्वाह्न 11:30 बजे | नागलवाड़ी, बड़वानी
वर्ष 2026 को हम किसान कल्याण वर्ष के रूप में मना रहे हैं। हमारा ध्येय कृषि को औद्योगिक गतिविधियों से जोड़कर किसानों की आय में स्थायी वृद्धि करना और कृषि को पारंपरिक उत्पादन से आगे ले जाकर अन्नदाता की समृद्धि सुनिश्चित करना है।
- डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
D-11215/25
अन्नदाता के साथ, प्रदेश का विकास
उड़द प्रोत्साहन योजना 2026
उड़द किसानों को मिलेगा एमएसपी के अतिरिक्त ₹600 प्रति क्विंटल बोनस का सीधा लाभ।
लगभग 3 लाख हेक्टेयर संभावित बोनी क्षेत्र से बढ़ेगा उत्पादन एवं किसानों की आय।
भावांतर योजना- सरसों 2026
सरसों उत्पादन में वृद्धि को देखते हुए 15.71 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान।
फसल की सही कीमत सुनिश्चित करने हेतु भावांतर योजना में शामिल करने का प्रस्ताव केन्द्र को प्रेषित।
राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा पोषण मिशन
आगामी 5 वर्षों तक निरंतरता के साथ धान, गेहूं, दलहन, मोटा अनाज एवं नगदी फसलों का विस्तार।
₹3285.49 करोड़ की स्वीकृति से खाद्य सुरक्षा और किसानों की आय वृद्धि।
प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई परियोजना
पर ड्रॉप मोर क्रॉप परियोजना की 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक निरंतरता स्वीकृत करते हुए ₹ 2393.97 करोड़ के प्रावधान से सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा, जल संरक्षण एवं उत्पादन क्षमता में वृद्धि।
प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना
कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के समग्र विकास हेतु 2031 तक निरंतरता के लिए ₹2008.68 करोड़ की स्वीकृति से कृषि अधोसंरचना और नवाचार को बल।
राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन
प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन देने हेतु आगामी 5 वर्षों के लिए ₹ 1101 करोड़ के निवेश से टिकाऊ खेती और लागत में कमी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम।
राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन
मिशन को गति देने 5 वर्ष की निरंतरता के लिए ₹1793.87 करोड़ की स्वीकृति से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में खाद्य तेल उत्पादन में वृद्धि को मिलेगा बल।
चना, मसूर एवं तुअर का उपार्जन
दलहन किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ सुनिश्चित करने की पहल, प्रस्ताव केन्द्र को प्रेषित।
मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
होली पर्व की हार्दिक मंगलकामनाएं
डॉ. मोहन यादव का अभ्युदय मध्यप्रदेश
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026